

मिरा भाईदर महानगरपालिका

मा. स्थायी समिती सभा दि. १०/०७/२०१५

मिरा भाईदर महानगरपालिकेची मा. स्थायी समिती सभा शुक्रवार दिनांक १०/०७/२०१५ रोजी सभा सुचना क्र. ०६ दि. ०६/०७/२०१५ रोजीच्या विषयपत्रिकेवरील विषयांवर विचार विनिमय करण्यासाठी मिरा भाईदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, दुसरा मजला, लाल बहादुर शास्त्री सभागृहात सकाळी १०.३० वा. सभा आयोजित करण्यांत आली होती.

सदर सभेच्या अध्यक्षस्थानी मा. सभापती, श्री. प्रशांत एन. केळूसकर हे उपस्थित होते. सदर सभेस खालील सदस्य उपस्थित होते.

उपस्थित सदस्य		
१.	श्री. प्रशांत एन. केळूसकर	सभापती
२.	श्री. परशुराम प. म्हात्रे	सदस्य
३.	डॉ. राजेंद्र जैन	सदस्य
४.	सौ. मंदाकिनी गावंड	सदस्या
५.	श्री. अश्विन श्यामजी कासोदरीया	सदस्य
६.	सौ. प्रभात प्रकाश पाटील	सदस्या
७.	श्री. स्टिवन जॉन मेंडोन्सा	सदस्य
८.	श्री. मुन्ना सिंह	सदस्य
९.	श्री. नरेश तुकाराम पाटील	सदस्य
१०.	श्रीम. नयना म. वसाणी	सदस्या
११.	श्री. हरिश्चंद्र आंमगावकर	सदस्य
१२.	श्री. सुहास माधवराव रकवी	सदस्य
१३.	श्री. मोहन जाधव	सदस्य
१४.	श्री. जयंतिलाल पाटील	सदस्य
<u>गैरहजर सदस्य</u>		
१.	श्री. हंसुकुमार कमलकुमार पांडे	सदस्य

मा. सभापती :-

सर्व सन्मा. सदस्याचे नुतनीकरण केलेल्या सभागृहात स्वागत. सचिव साहेब सभेला सुरुवात करा.

नगरसचिव :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेची मा. स्थायी समिती सभा शुक्रवार दि. १०/०७/२०१५ रोजी सकाळी १०.३० वाजता मिरा भाईदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, दुसरा मजला, लाल बहादुर शास्त्री सभागृहात स्थायी समिती सभा सुचना क्र. ०६, दि. ०६/०७/२०१५ रोजीच्या विषयपत्रिकेवरील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत येत आहे. आजच्या सभेसाठी बांधकाम विभागाकडून २ “के” खाली प्रस्ताव आलेला आहे. मिरा भाईदर क्षेत्रात कराच्या विविध विकास कामांचे अंदाजपत्रक तयार करणे यात पाच कामे आहेत. १) मिरारोड सेक्टर १० मधील कामे आहेत. २) मिरारोड सेक्टर १६ मध्ये गटार बांधणे. ३) मिरारोड सेक्टर १० मध्ये रस्त्याचे पुर्नपृष्ठीकरण करणे. ४) विज्ञानेसचे स्पॅन आहेत परत रस्ता करणे, खडीकरण करणे. ५) संघवी नगर ते न्यू गोकूळ धाम रस्त्याच्या दोन्ही बाजूस गटार बांधणे अशी पाच कामे आहेत. हा विषय घ्यायचा आहे का? हा विषय शेवटी घेऊ.

डॉ. नयना वसाणी :-

आदरणीय आमदार श्री. नरेंद्र मेहता ह्यांनी विधासभेमध्ये लक्षवेधीच्या माध्यमाने जनतेवर इस्टेट इन्वेस्टमेंट कंपनी प्रा.लि. ह्या माध्यमाने जो अतिरिक्त बोजा टाकण्यात आला होता. तो रद्द करण्यात आला आहे. मेहताजींनी जी लक्षवेधी टाकली होती त्याला मा. मुख्यमंत्र्यांनी मान्यता दिलेली आहे. असा बोजा दूर करुन अच्चे दिन आणण्यासाठी आपल्या आमदारांनी प्रयत्न केला त्याबद्दल मी आदरणीय आमदार श्री. नरेंद्र मेहता ह्यांचे मनापासून अभिनंदन करते असा ठराव मांडते.

अश्विन कासोदरीया :-

माझे अनुमोदन आहे.

सुहास रकवी :-

७/१२ वरचा बोजा हटणार.

मा. सभापती :-

हो. माझ्या माहितीप्रमाणे कोकणभवनला काल ऑर्डर झाली ती ऑर्डर आज आपल्याकडे यायला हवी. शिगारे साहेबाकडे माझे बोलणे झाले. त्यांनी पण सांगितले की तसे आदेश झाले आहेत.

सुहास रकवी :-

इतर हक्कातला की कब्जेदारातला.

मा. सभापती :-

कब्जेदाराना इतर हक्कातला कायम राहिल.

सुहास रकवी :-

कायम राहणार. आम्ही एवढेच म्हणतो की त्यांनी जे प्रयत्न केले त्याबद्दल अभिनंदन करतो. तो पूर्णपणे नष्ट झाला नाही.

मा. सभापती :-

पैसे भरायचे नाहीत म्हणजे आपल्याला असा विषय आहे की आपल्याला रि-डेव्हलपमेंटच्या इमारती आहेत किंवा दुसऱ्या ज्या इमारती आहेत ज्या आपण पुर्न:बांधणी करतो. त्याच्या सोसायटीला कन्व्हेन्स करताना जे पैसे भरायला लागतात ते भरावे लागणार नाही.

अभिनंदन ठराव क्र. ४३ :-

आदरणीय आमदार श्री. नरेंद्र मेहता ह्यांनी विधासभेमध्ये लक्षवेधीच्या माध्यमाने जनतेवर इस्टेट इन्वेस्टमेंट कंपनी प्रा.लि. ह्या माध्यमाने जो अतिरिक्त बोजा टाकण्यात आला होता. तो रद्द करण्यात आला आहे. मेहताजींनी जी लक्षवेधी टाकली होती त्याला मा. मुख्यमंत्र्यांनी मान्यता दिलेली आहे. असा बोजा दूर करुन अच्चे दिन आणण्यासाठी आपल्या आमदारांनी प्रयत्न केला त्याबद्दल मी आदरणीय आमदार श्री. नरेंद्र मेहता ह्यांचे मनापासून अभिनंदन करते असा ठराव मांडते.

सुचक :- डॉ. नयना वसाणी अनुमोदन :- श्री. अश्विन कासोदरिया
ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

सभापती

मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ४४, दि. २७/०३/२०१५, दि. ३१/०३/२०१५ (२७/०३/२०१५ रोजीची तहकुब सभा) रोजीच्या मा. स्थायी समिती सभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

राजेंद्र जैन :-

पान क्र. ४ पर और ९ पर देशमुख साहेब के दो स्टेटमेन्ट है। पहला स्टेटमेन्ट है की मैं आपको चार महिने के अंदर करने का प्रॉमिस करता हूँ और पेज नं. ९ पर स्टेटमेंट है उसी १ एप्रिल से रिअसेसमेंट कर रहे है। अभी यह ५ नंबर पर दिया है की मैं ४ महिने पे करने का प्रॉमिस करता हूँ। यह प्रॉमिस किया है की मैं मेष क्लियर करता हूँ। उसके उपर इन्होंने बोला है मेष कैसे हुआ पहले के लोगो ने टॅक्स कलेक्शन का काम नहीं किया। उसी को चेक करने का काम चालू कर रहे है। मैंने कहाँ बीट निरिक्षक को २-३ महिने का टाईम दे दो एरिया के अंदर कौनसे प्रॉपर्टी का असेसमेंट नहीं हुआ है वह लिख के दे दो जिसने गलत काम किया है उसपे अॅक्शन लेंगे। और कारवाई करेंगे। कितने असेस प्रॉपर्टी है। कितनो को सस्पेंड किया। रिअॅलिटी यह है की उसी को चेक करने का काम कर रहे है। तीन महिने होने को आए आज चौथे महिने के अंदर २० दिन बाकी है। मैं जानना चाहता हूँ इसके अंदर बिट निरिक्षक के द्वारा कितनी जानकारी आयी और चार महिने में जो मेष क्लियर करने का काम था यह पूरा होगा या नहीं होगा।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

मा. सभापती महोदय ४ महिन्यांमध्ये पूर्ण झाले नाही. परंतु चार महिन्यांपूर्वीची आणि आजच्या परिस्थितीमध्ये फरक पडला. आपण जर स्पेसिफिक विचारले तर मी आपणास तशी माहिती देतो.

राजेंद्र जैन :-

वो फरक कहाँ-कहाँ पडा आपने जो उसका टॅक्स का सिस्टम है उसके अंदर चेंजेस किए या बिट निरिक्षक को ऐसी प्रॉपर्टी मिली किस तरीकी से काम किया।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

इसमें गए तीन महिने में जितने भी प्रॉपर्टीज का पेंडींग असेसमेंट था मतलब असेसमेंट किया है पर कम्प्युटराइज बिल नहीं निकलता वो प्रॉब्लेम १०० टक्के सॉल्व्ड हो चुका है। कुछ प्रॉपर्टीज असेसमेंट किया है

लेकिन वो अप्रूव्हल कम्प्यूटर पे नहीं था वो सिस्टम मॅनेजर को बता के बॅकेन्ड से बिल करेक्ट कर के दिया। कुछ बिल में बहुत सालो से पैसे भरे थे लेकिन उसका अपडेशन नहीं हुआ था जैसे २००८, २००९, २०१० उसके लिए चिफ ऑडिटर को लेटर दिया चिफ ऑडिटर साहबने उनकी टिम भेजी टिम को लगाके हर एक रिसिप्ट का ऑडिट किया उसके बाद में वो भी बिल अपडेशन किया। बहुत सारा काम इसमें हो चुका है।

राजेंद्र जैन :-

मतलब यह की आज की दिन में हमे चार दिन में क्या काम हुआ, यहाँ से हम यहाँ पहुँचे, उसका कोई ३-४-५ स्पेस के अंदर डेटा मिल सकता है। इतना कलेक्शन बढ़ा या इतना अंडर सेस था, या इतना ओव्हरसेसमेंट कर रहा था, ऐसा अल्टीमेन्ट कोई फाईनल कल कुछ छुपाएँगे। हमने किया तो हमारा ओव्हर ऑल क्वेशन था उसको एरीकेटेड था कम करेंगे उसको या हमने प्रॉपर्टी कव्हर की या किसी के बिस में सेवा में गडबड किया हुआ उसका आयडीया नहीं था उसको पकडा नहीं था वह गलत था अल्टीमेटली हम सभा में क्या जानकारी पकडे की, ऐसा हो गया है की, प्रॉफिट नंबर बढ़ गए की, प्रॉपर्टी का टॅक्स बढ़ गया।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

प्रॉपर्टी नंबर तो नहीं बढ़ेंगे ना जब हम रि-असेसमेंट करेंगे उस वक्त पता चलेगा की कितनी प्रॉपर्टी नंबर बढ़ गई। उमेश थोडा था मेष तो क्लियर किया है।

राजेंद्र जैन :-

आपके साथ मॅच किया ना।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

मॅच ऐसा था की जैसा मैंने बोला नाकी जहाँ बहुत सारे लोगोने पेमेंट किया था। उनको डबल-डबल बिल आ रहा था। जैसा की मैंने २ साल पहिले, ३ साल पहिले दो बार पेमेंट किया ३ बार किया तो अपना बिल अपडेट हुआ नहीं। वह एक बहुत बडा काम था क्योंकि वह दिखने में आसान था लेकिन वह बॅकेन्ड पे करे फ्रन्ट पे करे अगर मैंने २-३ साल पहिले पैसे भरे है। वह बिल में बढ़ा गया तो फिर वही इंटेस्ट आते है। उसको कम करना है, वह एक बडा ड्राइव्ठ था वह हम ने क्लियर किया है।

राजेंद्र जैन :-

मतलब पहिले आपका टोटल कम्प्यूटराईज हो गया। पहिले का मॅन्युअल जो भी वही था। टोटल कम्प्यूटर पे आ गया मतलब।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

मैं अभी वह एक्झैक्टली नहीं बता सकता क्योंकि वह मेरे ख्याल से पुरा हो चुका है। लेकिन उसमें कुछ ५ टक्के रह गया है। १० टक्के रह गया है। वही चेक करना पडेगा कितनी रिसिटी रह गई है क्या रह गया।

राजेंद्र जैन :-

यह तो इंटरनेटली हुआ डिपार्टमेंट वर्क हुआ। अपना प्रॉब्लेब क्या था की हमारा टॅक्स कलेक्शन कम आ रहा था। अपना टॅक्स ओवर ऑल जो अभी मुझे मालुम पडा मेअर मॅडम गई थी कही महापौर मिटींग के अंदर उधर हैद्राबाद सिटी को ९८ टक्का टॅक्स कलेक्शन के लिए बोला की आपको अवॉर्ड मिलेगा या जो कुछ भी फंड मिलेगा अपना टॅक्स इस साल ८७ टक्का है। ८७ टक्के पर अपना। ऐसा डेटा तो मेरे पास में नहीं है। ८७ टक्के आपके हिसाब से है जो आपका डेटा बोलता है। उसमें अपनी अननेससरी प्रॉपर्टी निकालने की वह चिज अपनी अननेससरी प्रॉपर्टी को टच ही नहीं किया। अभी तक हमने टॉपिक सर्वे का तो वह सर्वेवाला काम तो हम बढ़ा नहीं सकते तो सर वह कब करेंगे।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

सर्वे का काम चालु है आपको मालुम है हम टेंडर फॉर्म बना रहे है उसका।

राजेंद्र जैन :-

नहीं ऐसा है मैं यहाँ पे क्लियर कर दु की सर मैंने आपकी ही डिपार्टमेंट की रिपोर्ट है। जो तैयार की हुई है। उसमें ५-५, ६-६ हजार प्रॉपर्टीज है। यह जो डिस्ट्रीब्युशन उसको ठिक करके आपको कहना है की आपके पास इतना सारा स्टाफ है टेंडर निकालके सर्वे करने की जरूरत क्या है? मुझे समझ में नहीं आती है।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

ठिक आहे ना साहेब कैसा है अगर डिपार्टमेंटली करना हम बैठके डिसाईड करे उसको

राजेंद्र जैन :-

बाकी जगह पे डिपार्टमेंटली करना है तो आप ऐसा बोल रहे हो जैसे हम अलग से काम रहे हो। बाकी दुनिया में टेंडर्स से काम होता है यह वाला भारत सरकार या महाराष्ट्र सरकार काम करते है। और अपनी गलती मान लेते है। सारे दुनिया में सरकारी लोग काम करते है ना।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

मुझे कहना ही नहीं है की टेंडर निकालकर करना है। डिपार्टमेंटली करना अगर हाऊस डिसाईड करता है की डिपार्टमेंटली करना है तो डिपार्टमेंटली करेंगे।

राजेंद्र जैन :-

आप उसके भरोसे काम नहीं कर रहे हैं। मतलब आप टेंडर निकलेगा इस भरोसे काम ही चालु नहीं किया ऐसा मुझे लग रहा है। मैंने वह रिपोर्ट देखी है उसमें १-१ आदमी के पास जमा डिस्ट्रीब्यूटर है।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

अपने जनरल बॉडी में दिया हुआ बजेट प्रोव्हीजन अपना डिस्कशन इस हिसाब से टेंडर निकाल के सर्वे करना यह कन्फ्युजन तक हम पहुँचे। उसे हम टेंडर प्रोसेस कर रहे हैं। टेंडर फॉर्म बना रहे हैं। अपने को वह टेंडर से नहीं करना है। अपने कर्मचारीयो से करना है तो मुझे कोई आपत्ती नहीं है। आप आजही ऐसा रिझर्वेशन कर दिजिए मैं कल ही वह ड्रॉप कर देता हूँ। मेरा कोई फोर्स नहीं है की वह ऐसी ही करना है। वैसी ही करना है अभी रि-असेसमेंट करना है।

राजेंद्र जैन :-

आप नहीं कर पा रहे हैं इसी लिए टेंडर का लाया हो ना सर अगर डिपार्टमेंट बराबर काम करता है तो उसका ख्याल ही क्यों आएगा ऐसा।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

आपको ऐसा लगता है की डिपार्टमेंट जादा उसी से भी बढ़िया जादा कर सकता है। सभापती साहेब आप डिसाईड करके सब्जेक्ट पेपर डाल दिजिए मुझे काम करना है मुझे कोई टेंडरसी करणा है ऐसा कोई नहीं।

राजेंद्र जैन :-

सभापती महोदय टेंडर निकाजने की पहले मैं आपसे बहुत खास विनंती है की कितने लोग टॅक्स में लगे हूए हैं। जरा जानकारी लिजिए कमसे कम ४००-५०० लोग है।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.)

आपण सर्वानुमते डिसाईड करून टाकू की आपण डिपार्टमेंटनी करायचे आहे आपने को वह सर्वे से करना तो खतम मामला।

मा. सभापती :-

आता मला सांगा डिपार्टमेंटनी केल्यावर इन्कम काय राहिल आणि प्रायव्हेट केल्यावर काय होईल पूर्ण माहिती आल्याशिवाय आपण कसे करणार जस तुम्ही आज मला सांगितले डिसीजन घ्या. पण काय डिसीजन घ्या आज डिपार्टमेंट व्हाईज जर आपण केल आपल्याला तेवढी मॅन पावर आहे का?

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.)

पुढच्या मिटींगला घ्या आपण इन्फॉर्मल चर्चा करून मी काढत नाही टेंडर आप बोलोना आपको बोले वगैर बात किए बगैर टेंडर निकालुगा नहीं।

राजेंद्र जैन :-

आप मुझे बोलते हैं लेकिन मंजूरी सभा की लेते हैं ऐसा नहीं चलता है ना सर.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.)

आप मंजूरी लेने को कॉन्फिडेंट है ना इसी लिए मैं सभा रख रहा हूँ।

राजेंद्र जैन :-

केलूसकर साहेब आप जब यह बोले ना बढ़िया बोले आपने पास कितनी मॅन पावर है कितना एरीया है वह सब करके टेंडर की बात करो ना साहेब।

मा. सभापती :-

आपल्याकडे असलेली मॅन पावर आणि आपली कॅपेबिलिटी ही सर्व पाहिले तुम्ही ऑन पेपर समोर दाखवा सर्व सदस्यना सांगा रितसर विषय घ्या. मग आपण ठेकेदाराला द्यायचे किंवा स्वतः करायच हा निर्णय घेऊ.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.)

हरकत नाही.

डॉ. नयना वसाणी :-

दि. २७/०३/२०१५, दि. ३१/०३/२०१५ (२७/०३/२०१५ रोजीची तहकुब सभा) रोजीच्या मा. स्थायी समिती इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्या व सुचनांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

अश्विन कासोदरीया :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. सभापती :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

प्रकरण क्र. ४४ :-

दि. २७/०३/२०१५, दि. ३१/०३/२०१५ (२७/०३/२०१५ रोजीची तहकुब सभा) रोजीच्या मा. स्थायी समिती सभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

ठराव क्र. ४३अ :-

दि. २७/०३/२०१५, दि. ३१/०३/२०१५ (२७/०३/२०१५ रोजीची तहकुब सभा) रोजीच्या मा. स्थायी समिती इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्या व सुचनांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

सुचक :- डॉ. नयना वसाणी अनुमोदन :- श्री. अश्विन कासोदरिया
ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

सभापती

मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ४५, भाईदर (पूर्व) व मिरारोड ते चेणा विभागातील बाजार फी वसुली बाबत अभिकर्ता (एजंट) नेमणेबाबत. (मा. स्थायी समिती दि. १७/०६/२०१५ रोजीचे तहकुब प्रकरण क्र. ४३)

अश्विन कासोदरिया :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका प्रत्येक आर्थिक वर्षामध्ये चार विभागांचा बाजार लिलाव करित असते. बाजार लिलावापासून महानगरपालिकेस ठोस उत्पन्न मिळत आलेले आहे. चार विभागांच्या बाजार लिलावापैकी भाईदर पश्चिम व उत्तम या दोन विभागांचा बाजार लिलाव झालेला आहे व भाईदर पूर्व व मिरा रोड ते चेणे या विभागांचा बाजार लिलाव प्रक्रिया करण्याचे काम प्रशासनाकडून चालू आहे. या दोन विभागातील बाजार लिलाव ठेक्याने देण्याकरीता आतापर्यंत आठ वेळा वृत्तपत्रात जाहिरात देवूनही बाजार लिलाव ठेक्याने घेण्यास कोणताही ठेकेदार पूढे आलेला नाही. मध्यंतरी प्रशासनाने बाजार लिलाव घेणे करीता बोली पध्दतीचा अवलंब केलेला होता परंतु यामध्ये प्रशासनास यश मिळालेले नाही.

वृत्तपत्रात भाईदर पूर्व व मिरारोड ते चेणा या विभागाकरीता बाजार लिलावाची जाहिरात दिली असता या जाहिरातीच्या अनुषंगाने भाईदर (पूर्व) करीता रु.१ कोटी ९० लाख व मिरारोड ते चेणा विभागाकरीता रु.१ कोटी ९९ लाख इतक्या रक्कमेने मे. देवीदास किणी यांनी बाजार ठेक्याची रक्कम निविदेत भरलेली आहे. परंतु प्रत्यक्षात श्री. देवीदास किणी हा श्री. देवानंद किणी यांचाच मोठा भाऊ असल्याने श्री. देवानंद किणी यांनी यापूर्वीच्या बाजार ठेक्यातील रु.१,५८,४३,२३२/- इतकी रक्कम बुडवून महानगरपालिकेचे आर्थिक नुकसान केलेले आहे. अशा स्थितीत एकाच घरातील सदस्याला नाव बदलून दुसऱ्या नावाने ठेका दिल्यास पुन्हा होणारे नुकसान नाकारता येत नाही.

भाईदर पूर्व व मिरारोड या बाजार वसुली ठेक्याच्या संदर्भात मा. सभापती व मा. आयुक्त यांना मे. राठोड असोसिएट्स यांनी दि.१४/०६/२०१४ रोजी पत्र देवून भाईदर पूर्व बाजार वसुलीचा ठेका रु.१ कोटी ९५ लाख व मिरारोड ते चेणा या विभागाचा बाजार वसुलीचा ठेका रु. २ कोटी १० लाख एवढी रक्कम देण्यास तयार असलेबाबत पत्र दिलेले आहे. त्याचप्रमाणे राठोड ब्रदर्स यांनी मा. आयुक्तांना दि.१४/०६/२०१४ रोजी पत्र देवून भाईदर पूर्व करीता रु.२ कोटी व मिरारोड ते चेणा या विभागाकरीता रु.२ कोटी ५ लाख या रक्कमेने दोनही बाजार ठेका पध्दतीने घेण्याची तयारी दर्शविलेली आहे.

मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे आर्थिक हित पाहता मे. राठोड ब्रदर्स यांना भाईदर पूर्व विभागाचा बाजार लिलाव रु.२ कोटी व मे. राठोड असोसिएट्स यांना मिरारोड ते चेणा रु.२ कोटी १० लाख बाजार लिलाव देणे हिताचे ठरते.

१) भाईदर पूर्व बाजार वसुली करीता मे. राठोड ब्रदर्स रक्कम रु. २ कोटी

२) मिरारोड ते चेणे बाजार वसुली करीता मे. राठोड असोसिएट्स रु.२ कोटी १० लाख

वरील रक्कमेस नमुद असलेल्या ठेकेदारास ठेका देण्याचे सर्व अधिकार महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम ५(२)(२) अन्वये मा. आयुक्त यांना देण्यास हि सभा मंजुरी देत आहे.

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

सुहास रकवी :-

ठराव आम्ही करणार साहेब तुम्ही इम्प्लीमेंट द्या. तुमच्यामध्ये आम्ही चेंजेस करतो आमच्या याच्यात तुम्ही नाही करायच साहेब.

मा. सभापती :-

प्रॉब्लेम आला तर तुम्ही पाठवा शासनाकडे.

सुहास रकवी :-

त्या ठरावाची कॉपी तुम्हाला मिळतच असेल ना साहेब.

मा. सभापती :-

तो शेवटचा कॉलम काय आहे तो वाचून दाखवा काय आहे तो.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.)

याच्यावर प्रशासनातर्फे स्पष्टीकरण मी करतो की सभागृहाला सदस्यांना ठराव करण्याचा पूर्ण अधिकार आहे केणीच्या बदल जे काही सभागृहाचे मत आहे त्या बदल काही दूमत नाही निश्चित पणे ती उचित पण राहिल एकाच घरातल्या माणसाला त्यांनी पैसे बुडविलेले आहेत ही वस्तुस्थिती आहे आणि आपली न्यायालयीन लढाई चालू असताना त्याला त्यांना बरोबर नाही त्या बदल सभेने नाकारले असेल तर ती फेर निविदा काढण्यात येईल परंतु ५(२)(२) मध्ये आयुक्तांना असे निविदा न भरलेल्या माणसाना नॉमिनेट नही करता येणार यासाठी एक इलाज करता येईल आपल्याला याची फेर निविदा प्रक्रिया रद्द करून पुन्हा निविदा मागवावी लागेल जे कोणी राठोड आहेत त्यांना आपली माझी विनंती राहिल किंवा आपली १.९५ किंवा प्लस कम्पलीट करा. तर आपल्याला करता येईल अदरव्हाईज आपल्याला करता येणार नाही.

मा. सभापती :-

आपण आयुक्तांना निर्णय घ्यावा त्यांना आयुक्त सांगतील.

सुहास रकवी :-

नाही पण आयुक्त तर्फे ते बोलले ना.

मा. सभापती :-

आपण जर बोललो तर तुम्हाला तर अधिकार नाही आहे करायचा जर तुम्हाला अधिकार नाही आहे तुम्ही आयुक्त म्हणून इथे बसलात.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.)

मी आयुक्त म्हणूनच सांगतो ना उप-आयुक्तांना अधिकार नाही तुम्हाला तस करा नमुद.

मा. सभापती :-

नाही ५-२-२ मध्ये तसा अधिकार आहेत तुम्ही तस नाही तस करा त्याच्यामध्ये नमुद तस कळवा तुमच्या सुहास रकवी :-

सभापती साहेब त्यांनी एक सांगितलेल महत्वाच आहे त्या प्रोसेस मध्ये राठोड असोसिएट राठोड नव्हते तर त्यांनी याव.

मा. सभापती :-

आम्ही आमचा निर्णय सांगितलेला आहे. आयुक्तांनी पुढचे निर्णय घ्यावेत.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

तुम्हीच तो निर्णय घ्यावा.

मा. सभापती :-

ठीक आहे घ्या.

सुहास रकवी :-

पण साहेब आयुक्त परत सभापती साहेब.

मा. सभापती :-

काय विषय होतो कि आठ वेळा झाली आहे त्यामुळे पुन्हा फेर निविदा काढून होईल हे कशावरून? नाही तुम्हाला सांगतो मागच्या वेळेस आपण त्यासाठी बोली प्रक्रिया केली होती राम नगरला तिथे किती माणसे आलेली तुमच्याकडे बोली करायला किती आलेले ?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

आले नाहीत.

मा. सभापती :-

का नाही आलेत त्याची काही आयडिया का तुम्ही जाहिरात नव्हती केलेली.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

जाहिरात केली पेपरला दिले वेब साईटवर दिले ७-८ वेळेस पब्लिसिटी केली आपण.

मा. सभापती :-

म्हणजे कुठे तरी यांची दादागीरी चाललेली आहे की ती माणसे तिने पोहोचत नाही तुमच्याकडे.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त):-

नाही नाही.

मा. सभापती :-

नाही एक पेपर जाहिरात करून ते माणस जर तिथे पोहोचत नसतील तर त्या माणसांना हा रस्ता अवलंबवावा.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त):-

या पुर्वी ई-टेंडर केज होत साहेब इ-टेंडरमध्ये काही कोट करायच होत याच्यात दादागीरीच काही संबंध नाही.

मा. सभापती :-

इ-टेंडर मध्ये पण त्या माणसाला कोणीतरी थांबवल असेल ना.

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

मी काय बोलतो सभापती साहेब आता समजा किणी सराचा जो हा ठेका आहे आता ही अमाऊन्ट आपली फाईनल डिक्लअर आपण केलेली आहे. तर यांच्यानंतर किणीने याच्यानंतर याच्यापूढे अनेक वेळा अमाऊन्ट भरून परत तुम्ही किणीनाच देणार का?

मा. सभापती :-

मग किणीनाच देणार का?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त):-

निर्णय घेऊ त्याच्यावर.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)):-

नाही नाही निर्णय मी आजच सांगतो किणीच ऑलरेडी किणी आणि तो दूसरे बूडविणारे कोण आहेत ते त्यांच ब्लॅकलिस्टिंगच आज आयुक्त आले की मी आज सही घेणार आहे.

मा. सभापती :-

साहेब मग एवढे दिवस का नाही झाले त्या ब्लॅक लिस्टिंगला तुम्हाला चेक देऊन तुम्हाला हा विषय पुन्हा फेर सादर झालेला आहे.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)):-

एवढे दिवस एवढयासाठी नाही झाली की.....

मा. सभापती :-

मागच्या वेळेस पण या विषयामध्ये पण आपला सभागृहात खुप मोठा गोंधळ माजलेला याच विषयासाठी तेव्हा सभा होऊन आज १५ दिवस लोटून गेले तेव्हा पण हा निर्णय घ्यायला पाहिजे होता. त्यांना ब्लॅक लिस्ट अजून पर्यंत केल नाही आहे आणि उद्या तुम्ही कोणत्या याच्यावर सांगणार की, उदया हा येणार नाही म्हणून दुसरा येईल म्हणून समजा उद्या परत यांनी भरल उघडणार आणि परत फेरनिविदा करायची ना म्हणजे आठ वेळा झाली तिथे बारा वेळेला होईल.

सुहास रकवी :-

आपल्या पालिकेचे आर्थिक हीत लक्षात घेता एवढे दिवस आपण जे सहा आठ महिने आपल रोजच नुकसान सरासरी एक ते दिड लाख रूपये होत आहे. ते त्याच्या करता जर राठोड कोण असेल तर ते तुम्ही ५(२)(२) खाली तुम्ही तुमच्या अधिकारात आमच्या सभागृहाच्या मान्यतेने तुम्ही त्याला देऊ शकतात आम्हाला तेवढच तुम्हाला सांगायचे आहे निविदा काढा. त्याच्या नंतर जे नुकसान आहे आणि आर्थिक जर तुम्ही हे वाढवत असाल उत्पन्नाचा स्त्रोत तर त्याला तुम्हाला कोणाला काय कोठेही फेस करता येईल.

मा. सभापती :-

सन्मा. सदस्यांनी चांगला शब्द सांगितला कि आपल महानगरपालिकेचे रोजचे नुकसान होत आहे. ते तुम्ही लक्षात घ्या. आणि नंतर बोलवून घ्या आणखी तो तुम्हाला काय वाढवून देत असेल तर त्याच्यावर वाढवून घ्या लागल्यास.

प्रभात पाटील :-

नाही पण त्यांना जर कायद्यातच तरतुद नसेल तर त्यांना अधिकार

मा. सभापती :-

५(२)(२) खाली अधिकार आहेत ते.

प्रभात पाटील :-

नाही बोलतात ना ते....

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

सभापती महोदय ५(२)(२) चे अधिकार कसे आहेत की, आपल्याला एक फ्रिज घ्यायचा आहे किंवा वरचा ब्ल्यु स्टारच्या घ्यायचा आहे म्हणजे ए.सी. घ्यायचा आहे. आता माहिती आहे की, ब्ल्यु स्टार घ्यायचा एकदा फिक्स झाल्यानंतर टेंडरचे नाटक करायची गरज नाही. कारण त्याची किंमत कोठे गेलात सारखी असणार आहेत. त्या वेळेस आपण ५(२)(२) मध्ये विदाऊट टेंडर.

सुहास रकवी :-

साहेब तेच म्हणत आहेत आठ वेळेस रिकॉल झाल्यानंतर अर्थिक नुकसान होते त्यावेळी ही लक्षवेधी तुम्ही करा.

मा. सभापती :-

५(२)(२) चा अर्थ असा आहे की, आर्थिक नुकसान होत असेल तर त्यासाठी निर्णय घ्यायचा अधिकार आयुक्तांना आहे. म्हणून तर आपण ५(२)(२) दिले आहेत ना.

प्रभात पाटील :-

नाही-नाही पण त्यांना हे टेंडर बदलायचे अधिकार नाहीत असे सांगितलेले आहेत ना ते जर आयुक्तांच्या वतीनेच तिथे बसलेले आहेत आणि ते बोलत असेल त्यांचे स्टेटमेंट ते रिकॉर्ड झालेले आहे. आयुक्तांना हे अधिकार नाही आहेत. हे जर आपल्याला मान्य असेल आपण त्यांचे अधिकार आपण मान्य करतो कारण त्यांच म्हणण आपण मान्य करतो तर आजच डिसिझन देऊन टाका की, सदरच्या किणी फॅमिलिला ब्लॅक लिस्टेड करून नव्याने टेंडर काढण्याचे आदेश देऊन टाका ना आजच्या ठरावामध्ये.

मा. सभापती :-

आम्ही तेच सांगितले आहे.

प्रभात पाटील :-

ठरावच करून टाकाना म्हणजे ते उद्याला.....

मा. सभापती :-

पण ५-२-२ च्या अधिकार असा आहे की, आर्थिक नुकसान होत असेल तर आर्थिक नुकसानात भर काढण्यासाठी आयुक्त त्यांच्यावर उपाययोजना करू शकतात. तर आयुक्तांना हा उपाय आपण सुचविलेला आहे. आयुक्तांनी सांगाव त्याच्यात लिहाव की, बाबा हा.....

प्रभात पाटील :-

असे म्हणता आहेत ना ते आयुक्तांच्या वतीने बोलता आहेत ना.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

तुम्ही निर्णय घ्याना आपण टेंडर काढून टाकु ना.

मा. सभापती :-

आम्ही प्रयत्न करायला सांगतो तुम्हाला परत १० वेळेला केल १२ वेळेला होईल १५ वेळा होईल परत तो नुकसान चालुच राहणार आहे.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त):-

तो तयारच आहे ना तो राठोड मग भरेल ना तो टेंडर.

मा. सभापती :-

ठिक आहे राठोडने भरला, आज जी अमाऊंट आहे त्याच्यावर परत किणी ने भरला मग काय करणार.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त):-

ते घेणारच नाही ना साहेब ब्लॅक ते घेणारच नाही ना. झाला आहे ना आता.

सुहास रकवी :-

सभापती साहेब राठोड असोसिएट ने आज जे मंजूर केले आणि त्याच्यात कमी याच्यात भरलं मग काय करणार तुम्ही.

प्रभात पाटील :-

नाही-नाही त्याच्यावरच.....

सुहास रकवी :-

मग काय करणार तुम्ही त्यांनी जर आता तेव्हा आम्ही तयार होतो तुम्ही तर डायरेक्ट नंतर कमी भरल मग तुम्ही काय करणार ते सांगा.

मा. सभापती :-

राठोडने आज त्यांनी मागितलेल्या त्या दरापेक्षा वर दयायला तयार आहे. उद्या त्याने निविदा प्रक्रिया केली त्यांनी भाव भरला तो कमी केला आणि त्यांच्या नंतर किणीने पण भरली आणि त्यांनी जास्त दिला मग काय कराल किणीला बात कराल की, राठोडला ठेवाल.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.):-

असे आहे की, आपल्या एक मध्ये तरतुद आहे. सद्सद् विवेक बुध्दीने किंवा इन द अॅक्ट डुनिंग गुड फॅक्ट, अॅक्ट डन इन गुड फॅक्ट म्हणजे काय की, पारदर्शकतेच्या सर्व परिणे प्रयत्न केल्यानंतर आलेला रिझल्ट पेपरला जाहीरात देऊन वर्तमान पत्रात टेंडर मागविल्या नंतर कॉम्पिटीशन झाल्यानंतर जर आपल्याला पुन्हा १-९५ ते ९० आले तर त्या केस मध्ये अस म्हणता येणार नाही की, ते नुकसान झाल आपण प्रयत्न केलेला आहे. पारदर्शकतेचा आता ८ वेळा आलं म्हणून आपल्याला पेपरला प्रसिध्दी द्यावी लागेल आणि जो राठोड आहेत ते

९५ भरतात तर आमची विनंती आहे की, तुम्ही ९५ भरा ९६ पण नको पुढच्या वेळेला म्हणजे आपला विषय संपला की ७ दिवसाची निविदा काढु पुढच्या स्टॅन्डींगला सबमिट करु.

सुहास रकवी :-

कारण त्याच्या नंतर तुमचाच विषय आहे की, आपल्याला सुप्रीम कोर्टाच्या निर्देश आहेत हे जे आपण फेरी वाल्यांच ते लायसन्स वगैरे ते सुध्दा इम्पलीमेंटेशन करायच आहे. म्हणजे हे नुकसानच होत आहे ना साहेब ६ महिने जे नुकसान झाले ते कोण भरुन देणार आमच ते म्हणण आहे साहेब.

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

सभापती साहेब तसच दुसर तफकिरी फॅमिली म्हणता का ब्लॉक लिस्ट करायच त्यांनी दुसया कंपनी वरुन त्याच माणसांनी भरलं तर पुढच.....

मा. सभापती :-

अजुन देखिल भाईदर वेस्ट ची आहे. त्यांनी पण ते पैसे भरलेले नाही त्यांचे पण पैसे मला वाटते त्यांची पण अमाऊंट काही तरी बाकी आहे. नाही-नाही आताची नाही मागची मागच्यातली सायमन असेल मला वाटते. नाही म्हणजे बिलानीने बेसिक अमाऊंट भरलेली आहे जी भरायची होती ती इंट्रेस अमाऊंट भरलेली नाही माझा माहिती प्रमाणे इंट्रेस अमाऊंट भरलेली नाही आहे. आपल्याला माहिती आहे का तरी पुर्ण.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

नवीन टेंडर मी बघीतलेल आहे, पण जुन्या टेंडर.....

मा. सभापती :-

कॅश डिपार्टमेंटला कोणी आहे की नाही.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.) :-

आहे ना टॅक्स मॅन इस्टेट बघत आहे हे टॅक्स इस्टेटला कळलेच नाही म्हणून हा गोंधळ निर्माण झाला सगळा.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त):-

जुनी वसुली म्हणतो जुनी वसुली आणि.....

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.) :-

अतिरिक्त आयुक्त मीच आहे दोन्ही डिपार्टमेंटचा मी बघीतलेले आहे प्रत्यक्ष मी होतो ते चेक वसूल झाले म्हणून त्याला आज कमीत कमी रिकव्हरी लावता येते. नाही तर ते हात वर करुण निघून गेले असते सगळे आणि त्यांची पध्दत ३ वर्ष अशी होती की वर्षभर पैसेच भरायचे नाही. आता रिनिव्ह करायला आलो कि मुदत वाढ घ्यायची आणि मागचे पैसे ५०लाख ६० लाख एकदम भरायचे आपण बंद केलं रॅकेट घ्या वेळेला.

मा सभापती :-

आपण ५(२)(२) खाली सांगितले आहे अधिकार त्याला बोलवा त्याच्या बरोबर अजून काही असेल तर तळजोड करा त्या कडून ४ महिन्याचे ५ महिन्याचे आगाऊ रक्कम घेऊन ठेवा वाटल्यास आम्ही आमचा निर्णय केलेला आहे. ठराव केलेला आहे. सर्वानुमते पुढे आपण निर्णय घ्या.

राजेंद्र जैन :-

यह जब भी साहबने बोला कि, कोर्ट में कारवाई चालू है। तो सिर्फ इतना जानना चाहता था जो पहिले कंपनी को ब्लॉक निस्ट की बात चालु है क्यो की मुझे स्पष्ट मालुम नही है। तो जो कोर्ट में केस किया है वह किस संदर्भ में किया है। उनकी वसुली बाकी है इसके लिए किया गया है।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.) :-

उन्होने जो चेक दिया है उनसे वसुल किया है १०० टक्का वसुल करणे के बादमें जो चेक उन्होने दिया है वह बॉऊंस हो गया है। बॉऊंस हो गया तो उनके खिलाफ १३८ दाखिल कर दिए अभी जितने चेक बॉऊंस हो गये उतने केसेस दाखल किए गये। प्लस अभी रिक्विडेशन उनके खिलाफ करना है।

राजेंद्र जैन :-

मतलब रिकव्हरी सुट अलग चेक बॉऊंस जो न्यु बॉऊंस था उसके लिए इतना एक केस होगया। रिकव्हरीपे डालेंगे।

सुहास रकवी :-

नाही १३८ चा साहेब तुम्हाला ४ महिन्यामध्ये रिझल्ट येतो. जास्त होत नाही चेक बॉऊंस जो आहे तो तुम्हाला लगेच इमिजेट येतो.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.) :-

एफ.आय.आर. केले त्यांच्यावर आणि जेवढे चेक बॉऊंस झाले तेवढ्या केसेस दाखल केले.

सुहास रकवी :-

महापालिकेच्या म्हणजे तुमच्या गर्व्हमेन्टच्या संबंधीत त्याचा रिझल्ट लगेच येणार साहेब.

राजेंद्र जैन :-

और अभी जो बात हुई की उनका आया नहीं तो अपने जैसा लास्ट टाईम चर्चा किया था देणे के बजाय वसुली कर उस टाईम सिस्टम किया था। आपने बोला की ऐसा हर महिने सिस्टम डालेंगे इतना लेनेका. गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.) :-

किसमें डाला है। अभी जो टेंडर ले रहे है जिसका आपके सामने रखा है। इसमें वैसाही डाला है। राजेंद्र जैन :-

अभी जो नहीं आ रहा है। वह नहीं आया अपन ने अभी।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.) :-

उसका नामंजुर कर रहे है ना.

राजेंद्र जैन :-

नहीं भाईदर वेस्ट का दिया बता रहे है ना उसका नहीं आ रहा है। तो उसका नियम से नहीं आ रहा है बस।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.) :-

साहेब-साहेब ऐका डॉ. साहेबांच काय म्हणणे आहे आपन काय सांगितल होत की, दर महिन्याला अॅडवॉन्स मध्ये पुढच्या महिन्याच्या आपन चेक

सुहास रकवी :-

नाही ठिक आहे. ५-२-२ खाली तुम्हीच रिकॉल करा ना. आम्हाला योग्य त्या प्रोसेसमध्ये कुठली कंपनी द्यावी.

मा. सभापती :-

५-२-२ मध्ये आम्ही दिलेले आहे. ठराव सर्वानुमते मंजूर.

राजेंद्र जैन :-

एक मिनिट रकवी साहबने क्या बोला, वह जो फॅमिली है वह पुरी फॅमिली को ब्लॉक लिस्ट कर सकते है। वह ऐसा नहीं कर सकते है ना साहब।

सुहास रकवी :-

मैंने नहीं बोला यह किसीने बोला है। उसके अंदर जो पढा था जो लिखा था मैंने वह पढ लिया। ऐसा किसी का पर्सनल अलग रहता है। उसका रेशनकार्ड अलग है, लाईट बिल अलग है वह सेपरेट ही है।

प्रकरण क्र. ४५ :-

भाईदर (पूर्व) व मिरारोड ते चेणा विभागातील बाजार फी वसुली बाबत अभिकर्ता (एजंट) नेमणेबाबत. (मा. स्थायी समिती दि. १७/०६/२०१५ रोजीचे तहकुब प्रकरण क्र. ४३)

ठराव क्र. ४४ :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका प्रत्येक आर्थिक वर्षामध्ये चार विभागांचा बाजार लिलाव करीत असते. बाजार लिलावापासून महानगरपालिकेस ठोस उत्पन्न मिळत आलेले आहे. चार विभागांच्या बाजार लिलावापैकी भाईदर पश्चिम व उत्तन या दोन विभागांचा बाजार लिलाव झालेला आहे व भाईदर पूर्व व मिरा रोड ते चेणे या विभागांचा बाजार लिलाव प्रक्रिया करण्याचे काम प्रशासनाकडून चालू आहे. या दोन विभागातील बाजार लिलाव ठेक्याने देण्याकरीता आतापर्यंत आठ वेळा वृत्तपत्रात जाहिरात देवूनही बाजार लिलाव ठेक्याने घेण्यास कोणताही ठेकेदार पूढे आलेला नाही. मध्यंतरी प्रशासनाने बाजार लिलाव घेणे करीता बोली पध्दतीचा अवलंब केलेला होता परंतु यामध्ये प्रशासनास यश मिळालेले नाही.

वृत्तपत्रात भाईदर पूर्व व मिरारोड ते चेणा या विभागाकरीता बाजार लिलावाची जाहिरात दिली असता या जाहिरातीच्या अनुषंगाने भाईदर (पू.) करीता रु.१ कोटी ९० लाख व मिरारोड ते चेणा विभागाकरीता रु.१ कोटी ९९ लाख इतक्या रक्कमेने मे. देवीदास किणी यांनी बाजार ठेक्याची रक्कम निविदेत भरलेली आहे. परंतु प्रत्यक्षात श्री. देवीदास किणी हा श्री. देवानंद किणी यांचाच मोठा भाऊ असल्याने श्री. देवानंद किणी यांनी यापूर्वीच्या बाजार ठेक्यातील रु.१,५८,४३,२३२/- इतकी रक्कम बुडवून महानगरपालिकेचे आर्थिक नुकसान केलेले आहे. अशा स्थितीत एकाच घरातील सदस्याला नाव बदलून दुसऱ्या नावाने ठेका दिल्यास पुन्हा होणारे नुकसान नाकारता येत नाही.

भाईदर पूर्व व मिरारोड या बाजार वसुली ठेक्याच्या संदर्भात मा. सभापती व मा. आयुक्त यांना मे. राठोड असोसिएट्स यांनी दि.१४/०६/२०१४ रोजी पत्र देवून भाईदर पूर्व बाजार वसुलीचा ठेका रु.१ कोटी ९५ लाख व मिरारोड ते चेणा या विभागाचा बाजार वसुलीचा ठेका रु. २ कोटी १० लाख एवढी रक्कम देण्यास तयार असलेबाबत पत्र दिलेले आहे. त्याचप्रमाणे राठोड ब्रदर्स यांनी मा. आयुक्तांना दि.१४/०६/२०१४ रोजी पत्र देवून भाईदर पूर्व करीता रु.२ कोटी व मिरारोड ते चेणा या विभागाकरीता रु.२ कोटी ५ लाख या रक्कमेने दोनही बाजार ठेका पध्दतीने घेण्याची तयारी दर्शविलेली आहे.

मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे आर्थिक हित पाहता मे. राठोड ब्रदर्स यांना भाईदर पूर्व विभागाचा बाजार लिलाव रु.२ कोटी व मे. राठोड असोसिएट्स यांना मिरारोड ते चेणा रु.२ कोटी १० लाख बाजार लिलाव देणे हिताचे ठरते.

- १) भाईदर पूर्व बाजार वसुली करीता मे. राठोड ब्रदर्स रक्कम रु. २ कोटी
 २) मिरारोड ते चेणे बाजार वसुली करीता मे. राठोड असोसिएट्स रु.२ कोटी १० लाख
 वरील रक्कमेस नमुद असलेल्या ठेकेदारास ठेका देण्याचे सर्व अधिकार महाराष्ट्र महानगरपालिका
 अधिनियम ५(२)(२) अन्वये मा. आयुक्त यांना देण्यास हि सभा मंजूरी देत आहे.

सुचक :- श्री. अश्विन कासोदरिया अनुमोदन :- श्री. हरिश्चंद्र आमगांवकर

ठराव सर्वानुमते मंजुर

सही/-

सभापती

मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ४६, मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या मुलभूत सोयी सुविधांच्या विकास कामांना प्रशासकीय मंजूरी बाबत. (सार्व. बांधकाम विभाग)

डॉ. राजेंद्र जैन :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात प्राथमिक सोयी सुविधांच्या विकास कामांसाठी शासन निर्णय क्रमांक जीईएन-२०१३/प्र.क्र.२९५/नवि-१६ दि. ३ डिसेंबर २०१३ अन्वये अनुदान उपलब्ध करून दिलेले असून सदर अनुदानातून करावयाच्या कामांची यादी देखिल सदर शासन निर्णयासोबत जोडली आहे. सदर यादीत खालील कामे नमुद करण्यात आली होती.

अ.क्र.	कामाचे नाव	मागणी केलेला निधी (लाखात)
१	भाईदर (प.) येथे नवीन विसर्जन घाट बांधणे.	१५०.००
२	मिरारोड (पूर्व) आरक्षण क्र. ३५५ या जागेत नागरीकांच्या सोयी सुविधाकरीता कम्युनिटी हॉल व इतर आवश्यक सोयीमुक्त इमारती बांधणे	३००.००
३	भाईदर (पूर्व) गोल्डन नेस्ट सर्कल येथे रस्ता ओलांडण्यासाठी फुट ओव्हर ब्रिज बांधणे	१५०.००
४	भाईदर (प.) पोलीस स्टेशन समोरील रस्ता, नगरभवन व पुढे मॅक्सस पोलीस चौकी पर्यंत कॉक्रीटचा रस्ता तयार करणे.	४००.००
एकूण रक्कम		रु. १०००.०० लक्ष

वरील कामांची सविस्तर आराखडे व अंदाजपत्रे तयार करून प्रस्ताव प्रशासकीय मान्यतेसाठी मा. जिल्हाधिकारी ठाणे यांच्यामार्फत मा. विभागीय आयुक्त, कोकण विभाग यांच्याकडे दि.१७/०२/२०१४ रोजी सादर करण्यात आला होता. त्यानुसार मा. विभागीय आयुक्त, कोकण विभाग तथा अध्यक्ष जिल्हास्तरीय समिती यांच्या अध्यक्षतेखाली झालेल्या दि. २४/०२/२०१४ रोजीच्या बैठकीत सदर कामांना प्रशासकीय मान्यता देण्यात आली. शासन निर्णयानुसार सदर कामांसाठी फक्त ८०s रक्कम अनुदान म्हणून उपलब्ध होणार होते. उर्वरीत २०s निधी महानगरपालिकेस खर्च करावयाचा होता. त्यामुळे सदर प्रस्ताव सर्व माहितीसह दि. ११/०२/२०१४ रोजीच्या मा. महासभेत ठेवण्यात आला. तथापी सदर महासभा तहकुब होऊन तदनंतर झालेल्या महासभा दि. ०१/०३/२०१४ ठराव क्र. ९३ अन्वये सदर कामांसाठी ८०s निधी राज्य शासनाकडून उपलब्ध झालेला आहे. तसेच कामांना शासनाकडून प्रशासकीय मान्यता प्राप्त झालेली असल्याने प्रशासनाने कार्यवाही करावी असा निर्णय घेण्यात आला. तदनंतर मा. आयुक्त यांनी मा. स्थायी समिती सभेपुढे सदर केलेल्या अर्थसंकल्पात शासनाकडून प्राप्त होणाऱ्या प्राप्त होणाऱ्या ८०s अनुदाना व्यतिरिक्त २०s रक्कमेची तरतूद अर्थसंकल्पात करण्यात आली.

तदनंतर वरील कामांच्या निविदा मागवून मान्यतेसाठी मा. स्थायी समिती सभा दि.२८/०८/२०१४ मध्ये ठेवण्यात आल्या. तथापी सदर निविदाबाबत खालील प्रमाणे निर्णय घेण्यात आले आहेत.

अ.क्र.	कामाचे नांव	अंदाजित खर्च	मा. स्थायी समिती सभा दि.२८/०८/२०१४ ठराव क्र. ७६ निर्णय व विभागाचे अभिप्राय
१	भाईदर (प.) येथे नवीन विसर्जन घाट बांधणे.	रु. १५०.०० लक्ष	सदर जागा सीआरझेड मध्ये येत आहे. सीआरझेड ची मान्यता घेणे आवश्यक आहे. सदर मंजूरी प्राधान्याने घेण्यात यावे.

२	मिरारोड (पूर्व) आरक्षण क्र. ३५५ या जागेत नागरीकांच्या सोयी सुविधाकरिता कम्प्युनिटी हॉल व इतर आवश्यक सोयीमुक्त इमारती बांधणे	रु. ३००.०० लक्ष	सदर आरक्षण क्र. ३५५ ची संपुर्ण जागा १००s महानगरपालिकेच्या ताब्यात नसून सदर जागेवर कम्प्युनिटी हॉलचा नकाशा मंजूर केलेला नाही. सदर सदर कम्प्युनिटी सेंटर बांधण्याची जागा ताब्यात घेऊन नकाशा मंजूर करून घेण्यात यावा. तसेच सदर जागेवर क्रिडागंगाचे आरक्षण आहे. सदर जागेत कम्प्युनिटी हॉल बांधण्याकरिता मा.महासभेची मान्यता आवश्यक आहे.
३	भाईदर (पूर्व) गोल्डन नेस्ट सर्कल येथे रस्ता ओलांडण्यासाठी फुट ओव्हर ब्रिज बांधणे	रु. १५०.०० लक्ष	सदर ठिकाणी पादचारी ओव्हर ब्रीज ऐवजी उड्डाणपुल बांधणे कामास महासभेने मान्यता दिल्याने प्रशासनाने निविदा प्रक्रिया थांबविली आहे.
४	भाईदर (प.) पोलीस स्टेशन समोरील रस्ता, नगरभवन व पुढे मॅक्सस पोलीस चौकी पर्यंत कॉक्रीटचा रस्ता तयार करणे.	रु. ४००.०० लक्ष	सदर कामा ठिकाणी रस्त्यावर भुयारी गटार योजनेतर्गत भाईदर पोलीस स्टेशन ते नगरभवन पर्यंत पाईप लाईन टाकण्याचे काम बाकी आहे. सदर काम प्रथम त्वरीत सुरु करावे.
एकूण रक्कम		रु.१०००.०० लक्ष	

तदनंतर मा.श्री. नरेंद्र मेहता, आमदार यांनी दि.०७/०१/२०१५ रोजी मा. विभागीय आयुक्त कोकण विभाग व मा.जिल्हाधिकारी ठाणे यांना पत्र देऊन वरील चार कामांऐवजी खालील कामे करण्यास कळविले आहे.

अ.क्र	कामाचे नाव	अंदाजित खर्च
१	राई येथे आरक्षण क्र. ५० जागेत नागरीकांच्या सोयीची इमारत बांधणे	रु. २.०० कोटी
२	मिरारोड शांतीनगर सेक्टर नं. ६ या जागेत कम्प्युनिटी हॉल बांधणे	रु. २.०० कोटी
३	मिरारोड नयानगर आरक्षण क्र. १७८ या जागेत नागरीकांच्या सोयीसाठी इमारत बांधणे	रु. २.०० कोटी
४	भाईदर (प.) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रस्ता (६० फुटी रोड) कॉक्रीटीकरण करणे	रु. २.०० कोटी
५	मिरारोड आरक्षण क्र. २०३ या जागेत नागरीकांच्या सोयीसाठी इमारत बांधणे	रु. २.०० कोटी
एकूण रक्कम		रु. १०.०० कोटी

मा. विभागीय आयुक्त कोकण विभाग यांच्या अध्यक्षतेखालील समितीने मंजूर केलेल्या कामात बदल करण्याचा अधिकार सदर समितीसच आहे. मा. श्री. नरेंद्र मेहत, आमदार यांनी सुचविल्यानुसार खालील प्रमाणे अंदाजपत्रके व आराखडे तयार करण्यात आली आहेत.

अ.क्र.	कामाचे नांव	अंदाजित खर्च
१	राई येथे आरक्षण क्र. ५० जागेत नागरीकांच्या सोयीची इमारत बांधणे	रु. २,०१,२०,०२४/-
२	मिरारोड शांतीनगर सेक्टर नं. ६ या जागेत कम्प्युनिटी हॉल बांधणे	रु. २,००,२०,६६०/-
३	मिरारोड नयानगर आरक्षण क्र. १७८ या जागेत नागरीकांच्या सोयीसाठी इमारत बांधणे	रु. २,०१,२०,०२४/-
४	भाईदर (प.) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रस्ता (६० फुटी रोड) कॉक्रीटीकरण करणे	रु. २,००,००,०००/-
५	मिरारोड आरक्षण क्र. २०३ या जागेत नागरीकांच्या सोयीसाठी इमारत बांधणे	रु. २,००,००,०००/-

वरील सर्व वस्तुस्थिती नमुद करुन मा.जिल्हाधिकारी ठाणे यांच्यामार्फत मा.विभागीय आयुक्त कोकण विभाग यांच्याकडे प्रस्ताव सादर करण्यात आला होता. त्यानुसार मा. विभागीय आयुक्त, कोकण विभाग यांच्या अध्यक्षतेखाली दि.१९/०६/२०१५ रोजी बैठक आयोजित करण्यात आली असता सदर बैठकीत चर्चा होऊन सदर प्रस्तावाच्या अनुशंगाने खलील बाबींची पुर्तता करुन तदनंतर पुनश्च समितीपुढे सादर करण्याचे निर्देश देण्यात आले. त्यानुसार खालील प्रमाणे निर्णय घेण्यात येत आहे.

- १) मा. स्थायी समिती सभा दि.२८/०८/२०१४ ठराव क्र. ७६ मध्ये नमुद व मा. विभागीय आयुक्त यांच्या अध्यक्षते खालील समितीने यापूर्वी प्रशासकीय मान्यता दिलेल्या कामांच्या निविदा रद्द करण्यात येत आहेत.
- २) नव्याने प्रस्तावित केलेली कामे अनुज्ञेय असण्याबाबत सहाय्यक संचालक, नगररचना, यांचे अभिप्राय घेऊन सादर करण्यात यावे.
- ३) मा.श्री. नरेंद्र मेहता, आमदार यांनी प्रस्तावित केलेल्या नविन कामांना मा.विभागीय आयुक्त, कोकण विभाग यांच्या अध्यक्ष ते खालील समितीने मान्यता दिल्यास सदर कामांच्या निविदाना मा.स्थायी समिती मान्यता देईल याबाबत ही सभा हमी देत आहे.

तरी नव्याने प्रस्तावित कामांना प्रशासकीय मान्यतेसाठी मा. विभागीय आयुक्त यांच्या अध्यक्षतेखालील समितीस विनंती करण्यात यावी.

अश्विन कासोदरिया :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. सभापती :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

प्रकरण क्र. ४६ :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या मुलभूत सोयी सुविधांच्या विकास कामांना प्रशासकीय मंजूरी बाबत. (सार्व. बांधकाम विभाग)

ठराव क्र. ४५ :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात प्राथमिक सोयी सुविधांच्या विकास कामांसाठी शासन निर्णय क्रमांक जीईएन-२०१३/प्र.क्र.२९५/नवि-१६ दि. ३ डिसेंबर २०१३ अन्वये अनुदान उपलब्ध करून दिलेले असून सदर अनुदानातून करावयाच्या कामांची यादी देखिल सदर शासन निर्णयासोबत जोडली आहे. सदर यादीत खालील कामे नमुद करण्यात आली होती.

अ.क्र.	कामाचे नाव	मागणी केलेला निधी (लाखात)
१	भाईदर (प.) येथे नवीन विसर्जन घाट बांधणे.	१५०.००
२	मिरारोड (पूर्व) आरक्षण क्र. ३५५ या जागेत नागरीकांच्या सोयी सुविधाकरिता कम्युनिटी हॉल व इतर आवश्यक सोयीमुक्त इमारती बांधणे	३००.००
३	भाईदर (पूर्व) गोल्डन नेस्ट सर्कल येथे रस्ता ओलांडण्यासाठी फुट ओव्हर ब्रिज बांधणे	१५०.००
४	भाईदर (प.) पोलीस स्टेशन समोरील रस्ता, नगरभवन व पुढे मॅक्सस पोलीस चौकी पर्यंत कॉक्रीटचा रस्ता तयार करणे.	४००.००
एकूण रक्कम		रु. १०००.०० लक्ष

वरील कामांची सविस्तर आराखडे व अंदाजपत्रे तयार करून प्रस्ताव प्रशासकीय मान्यतेसाठी मा. जिल्हाधिकारी ठाणे यांच्यामार्फत मा. विभागीय आयुक्त, कोकण विभाग यांच्याकडे दि.१७/०२/२०१४ रोजी सादर करण्यात आला होता. त्यानुसार मा. विभागीय आयुक्त, कोकण विभाग तथा अध्यक्ष जिल्हास्तरीय समिती यांच्या अध्यक्षतेखाली झालेल्या दि. २४/०२/२०१४ रोजीच्या बैठकीत सदर कामांना प्रशासकीय मान्यता देण्यात आली. शासन निर्णयानुसार सदर कामांसाठी फक्त ८०s रक्कम अनुदान म्हणून उपलब्ध होणार होते. उर्वरित २०s निधी महानगरपालिकेस खर्च करावयाचा होता. त्यामुळे सदर प्रस्ताव सर्व माहितीसह दि. ११/०२/२०१४ रोजीच्या मा. महासभेत ठेवण्यात आला. तथापी सदर महासभा तहकुब होऊन तदनंतर झालेल्या महासभा दि. ०१/०३/२०१४ ठराव क्र. ९३ अन्वये सदर कामांसाठी ८०s निधी राज्य शासनाकडून उपलब्ध झालेला आहे. तसेच कामांना शासनाकडून प्रशासकीय मान्यता प्राप्त झालेली असल्याने प्रशासनाने कार्यवाही करावी असा निर्णय घेण्यात आला. तदनंतर मा. आयुक्त यांनी मा. स्थायी समिती सभेपुढे सदर केलेल्या अर्थसंकल्पात शासनाकडून प्राप्त होणाऱ्या प्राप्त होणाऱ्या ८०s अनुदाना व्यतिरिक्त २०s रक्कमेची तरतूद अर्थसंकल्पात करण्यात आली.

तदनंतर वरील कामांच्या निविदा मागवून मान्यतेसाठी मा. स्थायी समिती सभा दि.२८/०८/२०१४ मध्ये ठेवण्यात आल्या. तथापी सदर निविदाबाबत खालील प्रमाणे निर्णय घेण्यात आले आहेत.

अ.क्र.	कामाचे नांव	अंदाजित खर्च	मा. स्थायी समिती सभा दि.२८/०८/२०१४ ठराव
--------	-------------	--------------	---

			क्र. ७६ निर्णय व विभागाचे अभिप्राय
१	भाईदर (प.) येथे नवीन विसर्जन घाट बांधणे.	रु. १५०.०० लक्ष	सदर जागा सीआरझेड मध्ये येत आहे. सीआरझेड ची मान्यता घेणे आवश्यक आहे. सदर मंजूरी प्राधान्याने घेण्यात यावे.
२	मिरारोड (पूर्व) आरक्षण क्र. ३५५ या जागेत नागरीकांच्या सोयी सुविधाकरीता कम्युनिटी हॉल व इतर आवश्यक सोयीमुक्त इमारती बांधणे	रु. ३००.०० लक्ष	सदर आरक्षण क्र. ३५५ ची संपूर्ण जागा १००s महानगरपालिकेच्या ताब्यात नसून सदर जागेवर कम्युनिटी हॉलचा नकाशा मंजूर केलेला नाही. सदर सदर कम्युनिटी सेंटर बांधण्याची जागा ताब्यात घेऊन नकाशा मंजूर करून घेण्यात यावा. तसेच सदर जागेवर क्रिडागंगाचे आरक्षण आहे. सदर जागेत कम्युनिटी हॉल बांधण्याकरीता मा.महासभेची मान्यता आवश्यक आहे.
३	भाईदर (पूर्व) गोल्डन नेस्ट सर्कल येथे रस्ता ओलांडण्यासाठी फुट ओव्हर ब्रिज बांधणे	रु. १५०.०० लक्ष	सदर ठिकाणी पादचारी ओव्हर ब्रीज ऐवजी उड्डाणपुल बांधणे कामास महासभेने मान्यता दिल्याने प्रशासनाने निविदा प्रक्रिया थांबविली आहे.
४	भाईदर (प.) पोलीस स्टेशन समोरील रस्ता, नगरभवन व पुढे मॅक्सस पोलीस चौकी पर्यंत कॉक्रीटचा रस्ता तयार करणे.	रु. ४००.०० लक्ष	सदर कामा ठिकाणी रस्त्यावर भुयारी गटार योजनेतर्गत भाईदर पोलीस स्टेशन ते नगरभवन पर्यंत पाईप लाईन टाकण्याचे काम बाकी आहे. सदर काम प्रथम त्वरीत सुरु करावे.
एकूण रक्कम		रु. १०००.०० लक्ष	

तदनंतर मा.श्री. नरेंद्र मेहता, आमदार यांनी दि.०७/०१/२०१५ रोजी मा. विभागीय आयुक्त कोकण विभाग व मा.जिल्हाधिकारी ठाणे यांना पत्र देऊन वरील चार कामांऐवजी खालील कामे करण्यास कळविले आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित खर्च
१	राई येथे आरक्षण क्र. ५० जागेत नागरीकांच्या सोयीची इमारत बांधणे	रु. २.०० कोटी
२	मिरारोड शांतीनगर सेक्टर नं. ६ या जागेत कम्युनिटी हॉल बांधणे	रु. २.०० कोटी
३	मिरारोड नयानगर आरक्षण क्र. १७८ या जागेत नागरीकांच्या सोयीसाठी इमारत बांधणे	रु. २.०० कोटी
४	भाईदर (प.) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रस्ता (६० फुटी रोड) कॉक्रीटीकरण करणे	रु. २.०० कोटी
५	मिरारोड आरक्षण क्र. २०३ या जागेत नागरीकांच्या सोयीसाठी इमारत बांधणे	रु. २.०० कोटी
एकूण रक्कम		रु. १०.०० कोटी

मा. विभागीय आयुक्त कोकण विभाग यांच्या अध्यक्षतेखालील समितीने मंजूर केलेल्या कामात बदल करण्याचा अधिकार सदर समितीसच आहे. मा. श्री. नरेंद्र मेहत, आमदार यांनी सुचविल्यानुसार खालील प्रमाणे अंदाजपत्रके व आराखडे तयार करण्यात आली आहेत.

अ.क्र.	कामाचे नांव	अंदाजित खर्च
१	राई येथे आरक्षण क्र. ५० जागेत नागरीकांच्या सोयीची इमारत बांधणे	रु. २,०१,२०,०२४/-
२	मिरारोड शांतीनगर सेक्टर नं. ६ या जागेत कम्युनिटी हॉल बांधणे	रु. २,००,२०,६६०/-
३	मिरारोड नयानगर आरक्षण क्र. १७८ या जागेत नागरीकांच्या सोयीसाठी इमारत बांधणे	रु. २,०१,२०,०२४/-
४	भाईदर (प.) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रस्ता (६० फुटी रोड) कॉक्रीटीकरण करणे	रु. २,००,००,०००/-
५	मिरारोड आरक्षण क्र. २०३ या जागेत नागरीकांच्या सोयीसाठी इमारत बांधणे	रु. २,००,००,०००/-

वरील सर्व वस्तुस्थिती नमुद करून मा.जिल्हाधिकारी ठाणे यांच्यामार्फत मा.विभागीय आयुक्त कोकण विभाग यांच्याकडे प्रस्ताव सादर करण्यात आला होता. त्यानुसार मा. विभागीय आयुक्त, कोकण विभाग यांच्या अध्यक्षतेखाली दि.१९/०६/२०१५ रोजी बैठक आयोजित करण्यात आली असता सदर बैठकीत चर्चा होऊन सदर

प्रस्तावाच्या अनुशंगाने खलील बाबींची पुर्तता करून तदनंतर पुनश्च समितीपुढे सादर करण्याचे निर्देश देण्यात आले. त्यानुसार खालील प्रमाणे निर्णय घेण्यात येत आहे.

- ४) मा. स्थायी समिती सभा दि.२८/०८/२०१४ ठराव क्र. ७६ मध्ये नमुद व मा. विभागीय आयुक्त यांच्या अध्यक्षते खालील समितीने यापुर्वी प्रशासकीय मान्यता दिलेल्या कामांच्या निविदा रद्द करण्यात येत आहेत.
- ५) नव्याने प्रस्तावित केलेली कामे अनुज्ञेय असण्याबाबत सहाय्यक संचालक, नगररचना, यांचे अभिप्राय घेऊन सादर करण्यात यावे.
- ६) मा.श्री. नरेंद्र मेहता, आमदार यांनी प्रस्तावित केलेल्या नविन कामांना मा.विभागीय आयुक्त, कोकण विभाग यांच्या अध्यक्ष ते खालील समितीने मान्यता दिल्यास सदर कामाच्या निविदाना मा.स्थायी समिती मान्यता देईल याबाबत ही सभा हमी देत आहे.

तरी नव्याने प्रस्तावित कामांना प्रशासकीय मान्यतेसाठी मा. विभागीय आयुक्त यांच्या अध्यक्षतेखालील समितीस विनंती करण्यात यावी.

सुचक :- डॉ. राजेंद्र जैन अनुमोदन :- श्री. अश्विन कासोदरिया
ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-
सभापती
मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ४७, राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ०८ वरील अजित पॅलेस ते सृष्टी आणि पी.एम. पॅलेस / पेणकरपाडा ते पांडुरंगवाडी येथील मंजूर विकास रस्त्यालगत गटार बांधून स्लॅब टाकणे कामास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देणे.

डॉ. नयना वसाणी :-

उपरोक्त विषयांन्वये मिरा-भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ८ वरील अजित पॅलेस ते सृष्टी, पी.एम. पॅलेस / पेणकरपाडा ते पांडुरंगवाडी हा प्रस्तावित मंजूर विकास रस्ता असून सदर विकास रस्त्याच्या रुंदीकरणामध्ये येणारे अतिक्रमण काढण्यात येत आहे. त्यामुळे सदर ठिकाणी प्रस्तावित मंजूर विकास रस्त्यालगत गटाराची आवश्यकता असून सदर काम तातडीने करणे आवश्यक आहे. सदर कामांची खालील प्रमाणे अंदाजपत्रके तयार केली असून त्याचा तपशिल खालीलप्रमाणे आहे.

अ.क्र	कामाचे नांव	अंदाजित खर्च
१	पेणकरपाडा अरुणा हॉटेल ते अमन डेरी पर्यंत जाणाऱ्या डी.पी. रस्त्यालगत दोन्ही बाजूस गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.३१,६०,१००/-
२	पेणकरपाडा पी.एम. पॅलेस ते महाविर नगर शौचालय पर्यंत जाणाऱ्या डी.पी. रस्त्यालगत दोन्ही बाजूस गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.४२,५३,९००/-
३	पेणकरपाडा महाविर नगर शौचालय ते पांडुरंगवाडी पर्यंत जाणाऱ्या डी.पी. रस्त्यालगत दोन्ही बाजूस गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.४२,२९,६००/-
४	पेणकरपाडा रिश्का स्टॅण्ड ते सृष्टी सेक्टर १ जंक्शन पर्यंत जाणाऱ्या उर्वरीत डी.पी. रस्त्यालगत गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.२७,९५,५००/-
५	पेणकरपाडा मारुती सुझुकी सर्व्हिस सेंटर ते अॅक्सीस बँक ए.टी.एम. पर्यंत जाणाऱ्या डी.पी. रस्त्यालगत दोन्ही बाजूस गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.४३,७५,५००/-

वरील कामी सन २०१५-१६ या आर्थिक वर्षाच्या “डी.पी. रोड बांधकाम” या लेखाशिर्षाखाली तरतुद उपलब्ध आहे. सदर कामांच्या अंदाजपत्रकांना प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देण्यात येत आहे.

मंदाकिणी गावंड :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. सभापती :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

प्रकरण क्र. ४७ :-

राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ०८ वरील अजित पॅलेस ते सृष्टी आणि पी.एम. पॅलेस / पेणकरपाडा ते पांडुरंगवाडी येथील मंजूर विकास रस्त्यालगत गटार बांधून स्लॅब टाकणे कामास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देणे.

ठराव क्र. ४६ :-

उपरोक्त विषयांन्वये मिरा-भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ८ वरील अजित पॅलेस ते सृष्टी, पी.एम. पॅलेस / पेणकरपाडा ते पांडूरंगवाडी हा प्रस्तावित मंजूर विकास रस्ता असून सदर विकास रस्त्याच्या रुंदीकरणामध्ये येणारे अतिक्रमण काढण्यात येत आहे. त्यामुळे सदर ठिकाणी प्रस्तावित मंजूर विकास रस्त्यालगत गटाराची आवश्यकता असून सदर काम तातडीने करणे आवश्यक आहे. सदर कामांची खालील प्रमाणे अंदाजपत्रके तयार केली असून त्याचा तपशिल खालीलप्रमाणे आहे.

अ.क्र	कामाचे नांव	अंदाजित खर्च
१	पेणकरपाडा अरुणा हॉटेल ते अमन डेरी पर्यंत जाणाऱ्या डी.पी. रस्त्यालगत दोन्ही बाजूस गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.३१,६०,१००/-
२	पेणकरपाडा पी.एम. पॅलेस ते महाविर नगर शौचालय पर्यंत जाणाऱ्या डी.पी. रस्त्यालगत दोन्ही बाजूस गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.४२,५३,९००/-
३	पेणकरपाडा महाविर नगर शौचालय ते पांडूरंगवाडी पर्यंत जाणाऱ्या डी.पी. रस्त्यालगत दोन्ही बाजूस गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.४२,२९,६००/-
४	पेणकरपाडा रिक्सा स्टॅण्ड ते सृष्टी सेक्टर १ जंक्शन पर्यंत जाणाऱ्या उर्वरीत डी.पी. रस्त्यालगत गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.२७,९५,५००/-
५	पेणकरपाडा मारुती सुझुकी सर्व्हिस सेंटर ते अॅक्सीस बँक ए.टी.एम. पर्यंत जाणाऱ्या डी.पी. रस्त्यालगत दोन्ही बाजूस गटार बनवून स्लॅब टाकणे.	रु.४३,७५,५००/-

वरील कामी सन २०१५-१६ या आर्थिक वर्षाच्या “डी.पी. रोड बांधकाम” या लेखाशिर्षाखाली तरतुद उपलब्ध आहे. सदर कामांच्या अंदाजपत्रकांना प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देण्यात येत आहे.

सुचक :- डॉ. नयना वसणी अनुमोदन :- श्रीम. मंदाकिणी गावंड
ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-
सभापती
मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ४८, के अन्वये प्रस्ताव - विविध विकास कामांना प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देणे.
हरिश्चंद्र आमगावकर :-

मिरा-भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात करावयाच्या विविध विकास कामांची खालील प्रमाणे अंदाजपत्रके तयार करण्यात आली आहेत.

अ.क्र	कामाचे नांव	अंदाजित रक्कम
१	मिरारोड (पूर्व) शांतीनगर सेक्टर नं. १० मधील अंतर्गत सर्व सी.सी. गटार बांधणे	रु.३३,८९,६५०/-
२	मिरारोड (पूर्व) शांतीनगर सेक्टर नं. १० इमारत क्र. बी/१९ ते डी/८५ (जाफरी खाडी) पर्यंत सी.सी. गटार बांधून स्लॅब टाकणे.	रु.४९,४९,७००/-
३	मिरारोड (पूर्व) शांतीनगर सेक्टर नं. १० मधील अंतर्गत रस्त्याचे पुर्नःपृष्ठीकरण करणे	रु.४९,९४,७००/-
४	भाईदर (प.) सालासर बिझनेसपार्क ते स्पॅन हाईट्स ते मिरा पर्यंत रस्ता खडीकरण करून डांबरीकरण करणे.	रु. ४९,९०,०००/-
५	मिरारोड (पूर्व) संघवी नगर ते न्यू गोकुळ धामपर्यंत दोन्ही बाजूस गटारे बांधणे.	रु. ४२,६८,५००/-

वरीलपैकी अ.क्र १ व ४ या कामाना मान्यता देण्यात येत आहे. अ.क्र. २ व ५ चे काम फेटाळण्यात येत आहे. अ.क्र. ३ च्या रस्त्याची फक्त दुरुस्ती करावी.

डॉ. नयना वसाणी :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. सभापती :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

मुन्ना सिंग :-

कमिशनर साहेब पिछले स्टँडिंग में इस्ट का टेम्पो खराब है। दवा फवारणी का टेम्पो अभी तक बंद हो कर ६ महिना हो गया तो चालु हुआ था उसकी जानकारी चाहिए।

मा. सभापती :-

मी मागच्या वेळेस सांगितलेल होत मा. आयुक्त साहेब विषय असा आहे की आता आपण दोन टेम्पो परत मागवायला नविन विषय आणलेला. आता विषय असा झाला की आपल्याकडे असलेले दोन टेम्पो दुरुस्त होऊ शकत नाही. म्हणजेच ते एवढ्या खालच्या स्तराला खराब झालेले आहेत की ते दुरुस्त होऊ शकत नाही. मुन्ना सिंग :-

साहेब ६-७ महिने हो गए बिघाड हो गए है।

मा. सभापती :-

आपल्याकडे एखाद्या माणसाची जर रिक्सा असेल तर त्याचा त्या रिक्सावर उदरनिर्वाह चालत असेल तर तो माणूस ती रिक्सा रिपेअर करायला काही ना काही करुन २४ तासांच्या आत ती रिक्सा रिपेअर करुन आणण्याचा प्रयत्न करतो कारण त्या माणसाचे त्याच्यावर घर चालते. तर आपले हे जे औषध फवारणीचे टेम्पो आहे याच्यावर आपले शहर चालते. मग त्याला तुम्ही प्रायोरिटी द्यायला नको का. मी मागच्या सभेमध्ये पण सांगितले हे टेम्पोची दुरुस्ती काही कारण का सांगितले फक्त क्लच प्लेट गेली आहे. तर साहेब क्लच प्लेट जर तुमच्याने होत नसेल आम्ही सर्व सन्मा. सदस्य येथे बसलेले आहेत. आम्हाला सांगा आम्ही खर्च करतो. आम्ही तयार करुन देतो तुमचे टेम्पो दोन तासात चला.

डॉ. नयना वसाणी :-

मा. आयुक्त महोदय आणि आता एक नविन कारण द्यायला सुरुवात झाली. औषण फवारणी अर्ध्या वॉर्डमध्ये करतात आणि सांगतात आम्हाला डिझेल मिळाले नाही याला काय उत्तर देणार.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

अस नाही मॅडम ते सभापती परवानगीने बोलतो.

डॉ. नयना वसाणी :-

शिंदे साहेब माझ्या वॉर्डमध्ये ३ तारखेला टेम्पो आलेला होता. अर्धाच वॉर्ड झाला कारण डिझेल मिळाले नाही हे उत्तर मला दिले गेले हे आपल्याला माहिती आहे.

संदिप शिंदे :-

डिझेल मिळाले नाही असे नाही.

डॉ. नयना वसाणी :-

उत्तर दिले आहे तुमच्या गाडी वाल्याने फोन लावू.

संदिप शिंदे :-

कारण वेगळे असेल मॅडम

डॉ. नयना वसाणी :-

डिझेल मिळाले नाही असे उत्तर दिले मला फोन लावू मी म्हणजे अशी कारणे देण्यात येत आहेत.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

मी लगेच खात्री करतो त्याची दखल घेतो लगेच

मा. सभापती :-

पहीले सर्वात महत्वाची गोष्ट तुम्ही खात्री करतो या गोष्टी साहेब खुप चूकीच्या आहेत आणि खुप लांब आहेत ह्या शहराच्या आरोग्याशी निगडीत गोष्टी आहेत. आणि ह्या गोष्टीवर ताबडतोब इम्प्लीमेंट व्हायला पाहिजे. जी जागेवर टेम्पो बंद आहे तो टेम्पो चालू झाला पाहिजे एका दिवसाच्या आत ती कामे झाली पाहिजे. आपल्याला आवश्यक नसेल आपण ती निविदा मंजूर करुन होतो. आपण महासभा स्टँडिंग मध्ये ठराव करतो. औषधे यावीत म्हणून पूर्व तयारी करतो पण पूर्व तयारी करुन ती औषधे आणून करणार काय तुम्ही तुमचा टेम्पोच नाही चालू तर

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

नाही तर लगेच खाली वाहन विभागाला बोलून घेतो काय परिस्थिती

मा. सभापती :-

लगेच नाही ताबडतोब बोलवा आम्ही इथे बसलेलो आहेत.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

दोन दिवसात मी करुन घेतो.

मा. सभापती :-

नाही साहेब आता बोलवा आम्ही वाहन विभागासाठी आम्ही सन्मा. सदस्य एकमेकाबरोबर बोलत बसू.

सुहास रकवी :-

मा. सभापती साहेब आणखीन त्यांना एक सांगायच आहे. की, आता मुन्नासिंगजीनी आता जे सांगितले आहे ती वेळ इथे आली नाही पाहिजे ना तुम्ही सकाळी उठल्यानंतर.

मा. सभापती :-

तुमच्या या गोष्टीसाठी औषध फवारणीमुळे आमचे सन्मा. सदस्यांनी स्वतःचे हॉस्पिटलसाठी ६० हजार रु. घेऊन ठेवलेले आहेत.

मुन्ना सिंग:-

भाईके लडकेको दो जणको डेंगु हूआ दोनो का दवाखानेमे ६० हजार रूपया हॉस्पिटल का बिल भरा. सुहास रकवी :-

मेरे खुद के दो लडका-लडकी को डेंगु हो गया था। इधर ही अॅडमिट था। वह बात नहीं है। लेकिन इनका जो है सभापतीसाहेब फक्त त्यांनी आम्हाला सांगा सकाळी उठल्यानंतर लेबर, गाडया हे तुमच सगळ इंधन सहीत भरलेले पाहिजेत ही इथे तक्रार आहे. छोटया-मोटया आल्याच नाही पाहिजेत साहेब ना तुमची एकही गोष्ट करता ना साहेब.

मा. सभापती :-

कस आहे ह्या गोष्टीत आपल्याला स्वतःला लक्ष घालावे लागणार आहे. कारण हा विषय खुप मोठा आणि गहन विषय आहे सर्व सन्मा. सदस्यांना यामुळे प्रभागात काहीही झाल कोणाच्याही सन्मा. जर आमच्या एखादया व्यक्तिला किंवा आमच्या प्रभागातील मतदात्याला जरी ते बाधा झाली तर त्याला पूर्ण रोष आमच्यावर निघतो. कारण आम्ही त्या विभागाचा प्रतिनिधीत्व करत असतो. प्रभागात आवश्यक फवारणी इतर साफसफाईच्य सुविधा पुरविल्या गेल्या नाही सर्व रोष आमच्यावरच निघणार आहे.

सुहास रकवी :-

अहो अजून पाउस नाही पडला . मच्छर अजून चालू नाही आहे.

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

साहेब ते आनंद कॉम्पलेक्सचे मी तुम्हाला सहा महिण्यापूर्वी लेटर दिले होत ते आजपर्यंत दैनिकची लाईन आणि पाण्याची टाकी एकत्र.....

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

दोन सोसायटी एकमत होत नाही साहेब

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

साहेब दोन सोसायटी एकमत होत नाही तर तुम्ही त्यांना एक महिण्याचा तुम्ही वेळ दिला होता ना सर.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

पण ते एकत नाही दोन्ही पण...

हरिश्चंद्र आमगावकर :::-

ते एकत नाही म्हणून त्या दुस-या सोसायटीनी सांडपाणी म्हणले निचरा होऊन ते पाणी प्यायचे का? का हो पाणपट्टेसाहेब.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

शेवटची त्याला एक महिन्याची मूदत आहे मग मागितली त्यांनी त्याला खर्च आहे बांधायचा त्या तर सोसायटीला ७ तारखेला पत्र दिलेले आहे . जर बांधत नसेल तर मग त्याचे नळ कनेक्शन कट करणार आपण काय करणार शेवटी मग.

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

एक महिन्याच्या कारवाईमध्ये सहा महिने झाले साहेब आज लोक ६ महिने तिथे कसे फेस करतो आहे हे माझ मलाच माहिती आहे. लोक रोज येत आहेत.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

सेप्टिक टँक आणि दोन बिल्डींगसाठी आहे म्हणतो एक बिल्डींग म्हणते मानायलाच तयार नाही. दोघांनी अर्धा-अर्धा करायच ते पण मानायला तयार नाहीत.

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

सर त्याच्यात आढावा असेल की, ती बिल्डींग पहिली कोणती झाली. त्या बिल्डींगचे सेप्टिक टँक कधी बांधल्या गेल्या आहेत.

मा. सभापती :-

मी आपणा सर्व सदस्यांना सन्मा. सदस्यांना एक निवेदन करतो कारण या आरोग्य विभागाने जर होत नसेल टेम्पो खराब झालेले तर दुरुस्ती करायला आपण सर्व तयार आहात ना.

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.) :-

साहेब उद्या संध्याकाळपर्यंत टेम्पो रिपेअर होऊन जातील. उद्या संध्याकाळी म्हणजे आज आपण बोलतो शुक्रवारी, शनिवारी संध्याकाळ पर्यंत.

मा. सभापती :-

उद्या संध्याकाळपर्यंत टेम्पो दुरुस्त नाही झाले तर परवा तुम्ही टेम्पो आम्ही सांगितलेल्या पत्त्यावर सोडून घ्यायचे. आम्ही दुरुस्त करून तुम्हाला देऊ. नगरपालिकेला आमच्या तर्फे ही भेट आणि आरोग्य विभागाला स्पेसिफिक

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

आजच्या आज मला याच्यावर कारवाई झाली पाहिजे. कारण ते लोक काम करणार नाहीत आणि त्यांनी सांडपाण्याचा निचरा होणारा पाणी प्यायच का?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

हे तोडणे शक्य नाही आपल्याला साहेब आपण काही फाईनल करू शकत नाही. दोघांनी करून सामाजिक तोडगा सांगितले आहे. दोघांची मिटींग घेतली मी. पाणी कट करणार आहे मी. दोघांच पण पाणी कट करणार आहे. मी आता शवेटी सांगेल त्यांना तुम्ही जर ऐकत नसेल तर.....

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

दोघांच करा ना. आपण बसून मग त्याच्यावर मार्ग निघेल.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

दोन वेळेस, तीन वेळेस बैठक घेतल्या. ऐकत नाहीत ते सोसायटीवाले. आम्ही महापालिका काय करणार? आपसात भांडणामध्ये महापालिका काय करणार?

मा. सभापती :-

इस्टेट इमेजपर्यंत झाला.

डॉ. राजेंद्र जैन :-

सभापती महोदय अभी अपनी जो स्कीम आती है उसका विश्लेषण कैसे मिलता है। यहाँ पर उसका एक्झाम्पल देता हूँ। बजेट छोटा है लेकिन कल्पना जो अच्छी होती है की काम कैसे होना चाहिए। अपने यहाँ पर लाखे साहब के समय में योजना आई थी जीस में की पुरे शहर में डस्टबीन लगाने के पायलट प्रोजेक्ट के नाम से चालु किया पुरे मिरा भाईदर में सौ लगाए। मैंने तीन दिन जाकर ढाई दो घंटा पुरा मिरा भाईदर कहाँ का लगाया पुरा सव्हे किया सौ लगे उसमे से ८ तो गायब भी है। ८ तो गायब उतने वाली बात बाद में करता हूँ। अब वह गायब क्या है। इन्स्ट्रक्शन कैसे दिया है। इन लोगों ने की बसस्टॉप पे लगाया तो ऐसा बोल दिया ऐसेही लगा दिया उसके बाद में ऐसे नहीं लगाया। मुकादम को जानकारी उनको सफाई कैसे करने की कहाँ लगाया है। लगा दो बात खत्म अभी मिरारोड में जो एक बैंक है मुजप्फर साहबके बिल्डींग के सामने बिलकुल बैंक के गेट के सामने लगा दिया है। अब कौन रखेगा उसको मास तुटा हुआ है। एक स्टौल है एक चायवाला उसके पास में मिरारोड के पास में वहा लगा दिया वह कौन रखेगा। एक आया चार हजार का आता दो हजार ढाई हजार का आया चार हजार नहीं हुआ अपने कॉन्ट्रैक्ट की बात अलग रखो। समजो उसको लेकिन आठ गायब है बाकी जो उसमें १० वाले गलत ऐसी ही है। के ढक्कन उलटा खुला हुआ है तो उसका सिस्टम कैसा है। आपने पर्चेस कैसा किया है सर की, वह प्लास्टिक वाला है। और उसका चाबी लगती है चाबी लगती मुकादम को चाबी दे दो। एक चाबी से सब खुलते हैं। वह चाबी एक लेके गया दो लेके गया, ४-५ जगह सब धीरे-धीरे आप की गायब हो जाएंगे और पाईलेट प्रोजेक्ट ने क्या किया पहिले एक लगाया सो-सो गिनने में इतना टाईम लगाया। ३-३ घंटा बाकी और लगाएंगे तो मिस्टेक हो जाएगी तो मिस्टेक हो जाएगा कहाँ लगाया वह भी मालुम नहीं पडेगा। दुसरा घाण, चिकट प्लास्टिक आपने लिया तो क्या हो गया उसपे जो डालते है दिखता है तो वह गंदा। वह लगाया किसलिए हम लोगो ने की, शहर साफसुथरा रहे, उसी का वह कचरा भरा पडा हूँआ है। यह जो खाली पडा हुआ है युज ही नहीं हो रहा बस स्टॉप काशिमिरा के उधर जंगल में जहाँ कोई आदमी नहीं है। उधर लगा दिया और कही पर वह बजार लगा नहीं और कही पर ऐसा लगा दिया उपर ओव्हर फ्लो हो रहा है। वह तो उसको इन्स्ट्रक्शन ऐसा है की इतना नहीं दिया गया है। मुकादम को इस एस.आय.ई. ने कि इसको २-२ गटर साफ करने का है की साथ एक बार साफ करने का है। कुल मिलाके जब पैसा आया लगा दिया लेकिन ध्यान नहीं है। तो मेरा सजेशन है मैंने आपको लेटर लिख के दिया पानपट्टे साहब की, उसके लिए आयडियल सिलेक्शन किया जाए स्पॉट का स्पेअर ब्लॉगपे। जहाँ पर लोग आते जाते है। उनको जाने के लिए कही एक पेड के पिछे बिल्डींग के पिछे लगा दिया है। दुसरा वह लोहे के पर्चेस किया जाए। लोहे के पोल वाले बिच में चेनवाले वह कर सकते है। अपन लोहे के और साथ में एस.आय.ई. ने लगाया उनको सात दिन के अंदर उनको साफ करने का है। प्लास्टिक वाले बिलकुल गंदगी और करेंगे सब।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

चोरी के बहुत चान्सेस रहते है।

डॉ. राजेंद्र जैन :-

सोसायटी में लगाए है, रोड पे में देखे है।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

साहब यह नहीं हो सकता है अभी।

डॉ. राजेंद्र जैन :-

साहेब मेरी बात सुनिए अंदर इतना पाईप जाएगा आप इतना सा पाईप गया है। अंदर वह चाहता है उलट वह टुट नहीं सकता है। उसे उलटते है। पुरा साफ होता है और कही जगह लगे हुए है। लोहे के लेंगे साफ रहेंगे स्वस्त रहेंगे और एस.आय.ई. उनको मेन्टेन्स करने का इन्स्ट्रक्शन दिजीए.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

ठीक आहे.

सुहास रकवी :-

पानपट्टे साहेब पण तुम्ही त्या परवा मिटींगला म्हणालात आता डस्टबीनच लावायच्या नाही ती योजनाच बंद झाली आहे.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

नाही साहेब डस्टबीनचा वेगळा विषय आहे. लिटल बिनचे पोलबिनचे.

सुहास रकवी :-

एक्झॅक्टली जो मिरारोड में जो ऐसा हो मुझेबल ऐसा प्लास्टिक का तो अपने यहाँ किधर भी यहाँ पर भी यह बसता तो।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

पहिल्या वेळेस आपण शंभरच घेतले होते आता २०० झाले.

सुहास रकवी :-

तुम्ही काय म्हणालात की परवाच्या मिटींगला सांगितले की ती योजना बंदच झाली हो.

गणेश देशमुख (मा.उपायुक्त मु.) :-

पानपट्टे साहेब आता आपण ज्या कामाचा मंजुरी दिली ना ते थांबवून दया. यांचे ऑब्जेक्शन राहिल की, आपण अस म्हणतो तस म्हणतो ते बघून घ्या एकदा करून नंतर ते वर्कऑर्डर थांवावा त्यांची कालची त्याला आम्ही २०० ची परत रिपीट केली.

राजेंद्र जैन :-

खुद को सॅकन्ड में मिक्चर है।

गणेश देशमुख (मा.उपायुक्त मु.) :-

ते कस आहे लक्षात घ्या बघा मी तुमच म्हणण मान्य आहे मला यांच ही लोखंडी केल तर ते भंगारवाले तोढून नेतात आणि पॉट्स प्रोपर सिलेक्ट करुण ती जबाबदारी जर मागच्याला टाकली.....

सुहास रकवी :-

अहो पण ती योजना चालू आहे कि मग ते आम्हाला सांगाना ते लावणार कि नाही ते बंद करुण टाक.

डॉ. राजेंद्र जैन :-

पडे है अपने जगह पें अपना डर गलत है। रिस्क लेके देखो मिरा रोड सोसायटी पर लगाए है। बाहर लगे है, अच्छेसे लगे है। और साफ सुतरे है।

मा. सभापती :-

बहुत अच्छे लगे हुए है। मिरा रोड पे बहुत अच्छे लगे हुए है।

सुहास रकवी :-

हिरी भाई ग्रिन कलरचे आहेत आम्ही बघितले स्वतः.

डॉ. राजेंद्र जैन :-

प्लास्टिक के है वह घाण हो जाती है बाद में।

मा. सभापती :-

प्लास्टिकचे नाही स्टिलचे लावलेले आहेत.

सुहास रकवी :-

त्याच्यामध्ये जरी आहे ना तुमच्या पॉलेथीन ब्लॅक कलरच्या बॅग असतात. डस्टबीन बॅग त्यात आणि तुमच्या त्या याला सांगितले की रोज तिकडे गेले की डस्टबीन बॅग नेतात.

मा. सभापती :-

एस.आय. ने मेन्टन करायला पाहिजे ते परत करायला आपल्याकडे टाईम नाही.

डॉ. राजेंद्र जैन :-

मेन्टेन्स वाला काम नहीं साहेब. मेन्टेन्स करोगे बादमें यह गलती हो गया वह गलती हो गया।

सुहास रकवी :-

अभी आप लोखंड का बोल रहे हो। वह चोरी होने का चान्सेस है। वह भी ठिक नहीं रहेगा।

डॉ. राजेंद्र जैन :-

आपको लगता है ना आप जाके देखो

मा. सभापती :-

सर आपने न्युज देखा था कल.

डॉ. राजेंद्र जैन :-

नहीं देखा।

मा. सभापती :-

सर कल टिक्की के उपर बहुत अच्छी न्युज थी। बैंकॉक मे इसको स्मार्ट सिटी में ही किया उसको वहाँ पे आपको कचरा डालना अलाऊड नहीं है। उधर सब जगह पर डस्टबीन है। पुरा उसका १५ मिनिट तक न्युज चालु था की उसको किस तरह से मेन्टेन्स करते है। कचरे की गाडी आती है बाय रुट जाती है। वह जितने डस्टबीन है वह सब उसमें पलटी होते है। गाडी के पिछे ट्रॉली है ट्रॉली में सब पलटी होते है। फिर वहाँ से एक आदमी उसको पलटी करेगा फिर वह गाडी जाएगी।

डॉ. राजेंद्र जैन :-

सर अपने यहाँ पर थी साधन बहुत है। इन लोगो ने बहुत किया फि है। शिंदे साहब ने पानपट्टे साहब ने रुल नहीं है, उसके बाजु में डाल देंगे तो क्या करेंगे मेरे वॉर्ड में मैंने एक सिस्टम किया वह लोग फॉलो करते है। मेरे वॉर्ड में झाडू मारने के बाद में ट्रॉली लेके घुमते है। जहाँ उठाकर उसको अंदर डालते है। आदमी है, साधन है करवाने की ताकद इन लोगो मे चाहिए।

मा. सभापती :-

नाही साहेब मी काल खरच खुप एवढी चांगल बघितल. काल ते त्या लोकांची मिनि व्हॅन आहे मिनी व्हॅन. मिनी व्हॅन घेऊन फिरतात. आज डस्टबीन म्हणजे गल्ली-गल्लीमध्ये छोटी व्हॅन आहे. पूर्ण एका याच्यामध्येच जमा करतात. बाहेर मोठी गाडी उभी करतात. त्या गाडीमध्ये सर्व जमा होतो. एरिया मधला कचरा खुप सुंदर दिसल ते काल आणि जिथे पॅनल्टी आहे पॅनल्टी रस्त्यावर चॉकलेटचा पेपर टाकला तरी पॅनल्टी आहे. एवढ सुपर आहे ना ते तर नाही होऊ शकत. पण हे तर करुन घ्या कमीत कमी लक्ष तर द्या.

राजेंद्र जैन :-

सभापती महोदय एक विषय होता.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

नविन डस्टबीन घेणार ना आता तुम्हाला सॅम्पल देतो.

मा. सभापती :-

हा आणि नविन डस्टबीन घेताना ही गोष्ट लक्षात घ्या. नाही तर मोजताना ते डस्टबीन आणि हे डस्टबीन एकत्र करुन मोजाल.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

मध्यंतरी आपण महासभेपूढे

मा. सभापती :-

त्याच्यामध्ये काही तरी खुण असावी की मागचे डस्टबीन हे आहेत आणि नंतरचे डस्टबीन हे आहेत म्हणून.

सुहास रकवी :-

प्लास्टिकच्या बॅगा बंद करा. तेच त्यांना सुचवितो.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

प्लास्टिक बंद करायच राज्य शासनाचा कायदा आहे. आपण ५० मायक्रो पेक्षा कमी झाला तर आपण पिशव्या आपण जप्त करतो. ५० पेक्षा जास्त त्यालाच हे करत नाहीत.

सुहास रकवी :-

अहो पानपट्टे साहेब मी तुम्हाला परवा काय सांगितले ज्या तुमच्या फेरिवाल्याकडे मिळतील त्यांच्यावर दंडात्मक कारवाई करा असा फाईन मारा की दुसयाला प्लास्टिक बॅग देणार नाहीत साहेब. हो आता तो तर मिळणार नाही पण जो ठेवतो त्याला तर तुम्ही दंडात्मक

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

बाजार फि वसुल करायला सांगितले आहे मी बाजार फी वसुल करण्यास त्यालाच सांगितले आहे मी दंड वसुल करण्याच्या संदर्भात.

सुहास रकवी :-

तस काही तरी करा.

डॉ. राजेंद्र जैन :-

सभापती महोदय साहेब अभी मान्सून चालू हुआ। ३-४ दिन बारीश आया अभी मेरे को मालुम नहीं डेटा कौनसा था लेकिन पिछले ८-९ दिनों से बारीश जैसा है नहीं।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

हा तुमचा विषय आहे. पुढच्या स्टॅडिंगला येणार आहे.

डॉ. राजेंद्र जैन :-

कितनी लगी हुई है। अभी तक कितनी लगी हुई है, आज के डेट में।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

आज के डेट में नहीं जब बारीश गिरती है उस टाइम बारीश गिरी तब।

डॉ. राजेंद्र जैन :-

मेरे पास एस.आय. का फोन आया की साहब वह सुबह से लगाया हुआ है। उसको मंथली साईन करना है क्या मैंने बोला की नहीं करेंगे।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

नहीं करेंगे अब स्टैंडिंग में विषय आनेवाला है।

गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त मु.) :-

आपका सुझाव एकदम बराबर है। ऑल रेडी टेंडर कमिटी में हमने एस.आय. को दिया हुआ है। इसके बावजूद उनको बोल दिया है की भाई आप अगले साल के लिए खुद के पंप पर्वेस करेंगे। इस साल कॉन्ट्रैक्ट है वह क्योंकि कॉन्ट्रैक्ट का खर्चा पर्वेसिंग का खर्चा बराबरी में है और हम लोगो के

डॉ. राजेंद्र जैन :-

अभी इस साल पर्वेसिंग के फॉर्म कितने लगे है मंथली।

मा. सभापती :-

नहीं लगे है मंथली एक भी नहीं।

डॉ. राजेंद्र जैन :-

साहब लगे हुए है मेरे ख्याल से।

मा. सभापती :-

मंथली एक भी नहीं लगा है सर।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

ऑर्डर ही नहीं दिया है तो कैसे लगाएंगे सर ऐसा कैसे होगा मिटींग में विषय ही नहीं आया वह।

मा. सभापती :-

आपको जिस एस.आय. ने फोन किया था ना उस एस.आय को लेके आओ। उस एस.आय. का हम लोग लेखी लेंगे लेखी।

डॉ. राजेंद्र जैन :-

मेरे साथ में बैठे है ना उनसे बात करीए ना मंथली लगाने को बोलो आप लोग।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

वह विषय ही नहीं हुआ स्टैंडिंग में मैंने ऑर्डर ही नहीं दिया उसको हा बताओ अभी।

मा. सभापती :-

अभी तक ऑर्डर ही नहीं हुआ उसका अभी विषय नहीं आया हे स्टैंडिंग में।

नरेश पाटील :-

सभापतींच्या परवानगीने बोलत आहे, माझ्या वॉर्डमध्ये पय्याडे हॉटेल ते लाला हजरत पर्यंत इतका रस्ता खराब आहे की विचारुच नका म्हणजे एवढे मोठे-मोठे खड्डे.

मा. सभापती :-

एस.पी.एम.एल. चे काम चालु आहे ना. बरोबर ना.

नरेश पाटील :-

एक वर्ष झाले साहेब.

मा. सभापती :-

कोण आहे एस.पी.एम.एल साहेब.

नरेश पाटील :-

एक वर्ष झाले रस्ता नाही बंद होता.

मा. सभापती :-

कारण तो रस्ता आम्ही पण तेथुन विरारला जायला पय्याडे हॉटेलला जायला तोच एक आहे चांगला. तो रस्ता एस.पी.एम.एल. झाला आहे त्या रस्त्याच काम अजुन का नाही होत.

दिपक खांबित :-

ते काय झाले आहे तिथे मटेरियल टाकले आहे. ३ दिवसापूर्वीच. परंतु जे काम करणारे ठेकेदार आहेत त्यांच गोंधळ जरा झाले आहे त्यामुळे ते काम बंद आहे.

मा. सभापती :-

चला ठिक आहे.

प्रभात पाटील :-

इंद्रलोक फेस - २ ते चाळघरचा रस्ता ग्राऊंटींग केला आहे सगळ्यात मोठा रस्ता. एका सभापती साहेब तर तो रस्ता ग्राऊंटींग झाला आहे डांबर काही झाले नाही आहे. पण सध्या तर खर पण तो रस्ता सध्या

खाजगी बसेस स्कूल बसेस, मोठे-मोठे ट्रक, टेम्पो यांच्यासाठी पार्किंग झाले आहे. त्या मोठ्या-मोठ्या त्या गाड्यांमध्ये तिथेच जेवण करतात, तिथेच खातात, तिथेच झोपतात, दारु पितात. त्या रस्त्याला खांबित साहेब लाईट पण नाही आपण त्या रस्त्याचे ते काम करण्यासाठी तिथले स्ट्रिट लाईट पण काढले होते. आणि सगळ्यात मोठा रस्ता आहे आता तुम्हाला माहित आहे तो इंद्रलोकचा रस्ता. मग ते पार्किंगसाठी आहे. पार्किंगच तुम्ही देत नसाल तर त्यांच्याकडून तुम्ही वसूल करा. पार्किंग फी ती पूर्ण पार्किंग आहे तिथे काहीही चालत नाही वाहने फक्त इंद्रलोक कडून वाहतूक करतात आणि नवघर गावाकडे.

मा. सभापती :-

तो विषय असा आहे की, आयुक्त साहेब फक्त इंद्रलोकच जे फेस २, फेस ३ पर्यंत जो आपला रस्ता आहे. तिथून तिथपर्यंत आवक जावक आहे. बाकी पुढे जो गावात जातो रस्ता पुढे त्या रस्त्याला जास्त आवक जावक नाही आहे. तर त्या तिथे लाईट पण नाही जो रस्ता बनवला त्या वेळेस तिकडची लाईट काढण्यात आली होती आणि तिथे मी पण देखील बघितलेले आहे. बसेस, प्रायव्हेट बसेस, ट्रक वगैरे सर्व बाहेर बसतात. आणि तिथे रात्रीच्या वेळेस ह्या लोकांचे पिण्याचे कार्यक्रम वगैरे सर्व चालू असतात. म्हणजे एखाद जर महिला जर त्या शेवटच्या दोन बिल्डींगपर्यंत जायच म्हटल तर तिला कोणाला नी कोणाला जोडीला घेऊन जावाच लागत. त्याशिवाय ती जाऊच शकत नाही. आणि जर पार्किंगच होत असेल तेवढ्या मोठ्या डी.पी. रोडवर ३० मिटरच्या मग त्या रोडचा अर्थच नाही. आपण त्याच्यावर काहीतरी योग्य कारवाई करावी त्याचप्रकारे मिरारोडला देखील आहे. २-३ ठिकाणी असे पार्किंग होतात. आपण पार्किंग फुकट कशाला करून देता आणि रोड आहे आणि ती प्रोव्हिजन रोडला वापरण्यासाठी करा ना.

प्रकरण क्र. ४८ :-

के अन्वये प्रस्ताव - विविध विकास कामांना प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देणे.

ठराव क्र. ४७ :-

मिरा-भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात करावयाच्या विविध विकास कामांची खालील प्रमाणे अंदाजपत्रके तयार करण्यात आली आहेत.

अ.क्र	कामाचे नाव	अंदाजित रक्कम
१	मिरारोड (पूर्व) शांतीनगर सेक्टर नं. १० मधील अंतर्गत सर्व सी.सी. गटार बांधणे	रु.३३,८९,६५०/-
२	मिरारोड (पूर्व) शांतीनगर सेक्टर नं. १० इमारत क्र. बी/१९ ते डी/८५ (जाफरी खाडी) पर्यंत सी.सी. गटार बांधून स्लॅब टाकणे.	रु.४९,४९,७००/-
३	मिरारोड (पूर्व) शांतीनगर सेक्टर नं. १० मधील अंतर्गत रस्त्याचे पुर्नःपृष्ठीकरण करणे	रु.४९,९४,७००/-
४	भाईदर (प.) सालासर बिझनेसपार्क ते स्पॅन हाईट्स ते मिरा पर्यंत रस्ता खडीकरण करून डांबरीकरण करणे.	रु. ४९,९०,०००/-
५	मिरारोड (पूर्व) संघवी नगर ते न्यू गोकुळ धामपर्यंत दोन्ही बाजूस गटारे बांधणे.	रु. ४२,६८,५००/-

वरीलपैकी अ.क्र १ व ४ या कामांना मान्यता देण्यात येत आहे. अ.क्र. २ व ५ चे काम फेटाळण्यात येत आहे. अ.क्र. ३ च्या रस्त्याची फक्त दुरुस्ती करावी.

सुचक :- श्री. हरिश्चंद्र आमगावकर अनुमोदन :- डॉ. नयना वसणी

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

सभापती

मिरा भाईदर महानगरपालिका

सुहास रकवी :-

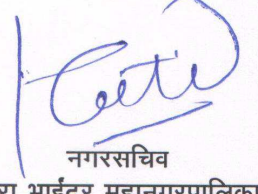
आज आपल्याकडे ही सभा आता संपली आहे. पण शोकप्रस्ताव आता शेवटचा जो विषय आहे त्याच्यामध्ये आपल्या इकडचे श्री.जी. कन्स्ट्रक्शनचे भागीदार अमित शहा आमचे मित्र पण होते. त्यांचे अचानक म्हणजे गेल्या आठवड्यामध्ये अचानक त्यांच्या डिटेक्ट झाला त्यांना काही मोठ्या प्रकारचा रोग झाला होता असे म्हणतात. कॅन्सर वगैरे त्याच्यानंतर दोन दिवसामध्ये त्यांना त्या रोगाचा म्हणजे ट्रीटमेंट करायला सुध्दा डॉक्टरांना अवधी मिळाला नाही. अचानकपणे आमच्यातुन निघून गेला. आम्हाला सुध्दा खुप दुःख झाले आमचे सर्व मित्र परिवार त्यांना भेटायला गेलेलो. आज अमित शहा आपल्याकडे नाही आहेत, त्यांनी या मिरा भाईदर शहराकरिता जे काही डेव्हलपमेंटमध्ये त्यांच सुध्दा एक हातभार आहे. ग्रामपंचायत ते महानगरपालिका त्यांच्या काळात जी विकासाचे कामे आहे ती श्री. जी. कन्स्ट्रक्शनच्या माध्यमातुन झालेली आहेत. तर अशा अमित शहाना आपण दोन मिनिट उभ राहून श्रध्दांजली द्यावी.

मा. सभापती :-

श्री. अमित शहा यांनी आपल्या मिरा भाईदर शहरामध्ये बहुतेक रस्ते बनविण्यामागे खुप मोठा सिंहाचा वाटा त्यांनी घालविलेला आहे. आणि त्यांच्या ह्या दुःखामध्ये आपण पूर्ण सभागृह सहभागी होऊ आणि दोन मिनिटे शांत रहा.

(सभा संपण्याची वेळ दु. १२.१० वाजता)

सही/-
सभापती
स्थायी समिती
मिरा भाईदर महानगरपालिका



नगरसचिव
मिरा भाईदर महानगरपालिका